राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 30 जनवरी 2026 वर्ष-9,अंक-07 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पार्टी में मतभेदों के बीच थरूर खड़गे-राहुल से मिले

● कहा: सब साथ मिलकर काम कर रहे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खड़गे के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई। सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अक्ळउ की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे। वहीं केरल का उट बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। पीटीआई के अनुसार 19 जनवरी को कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था।

राजस्थान- कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के बाद हंगामा-तनाव

पिता का दावा: इंजेक्शन के कारण जान गई

एजेंसी

जोधपुर। राजस्थान की कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के बाद से जोधपुर में पोस्टमॉर्टम के दौरान अस्पताल में तनाव के हालत बन गए थे। समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद शव को रवाना किया गया। गुरुवार को जास्ती गांव में साध्वी का अंतिम संस्कार होगा। इससे पहले बुधवार रात को उनकी मौत की जानकारी सामने आने के बाद से सैकड़ों की संख्या में भक्त अस्पताल पहुंच गए थे। कई भक्तों ने उनके पिता और आश्रम पर भी साध्वी की मौत को लेकर सवाल उठाए। वहीं, उनके पिता ने मौत का कारण गलत इंजेक्शन को बताया है। एक भक्त रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि रात 9:30 बजे के करीब वो आरती नगर स्थित साध्वी के आश्रम पहुंचे थे। वहां उस समय साध्वी के पिता बॉडी को लेकर बाहर खड़े थे। बॉडी को अंदर ले जाने से मना करने लगे थे। इतना ही नहीं साध्वी के फोन को भी पुलिस को देने से मना कर दिया था। हालांकि, बाद में ACP छवि शर्मा ने उनके मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया था।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम रोक

बोला सुप्रीम कोर्ट: केंद्र नया ड्राफ्ट तैयार करे, देशभर में नियमों का विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा कि इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है। कोर्ट ने यह टिप्पणी मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान की याचिकाओं पर की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं। वत्रू ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इनका देशभर में विरोध हो रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और UGC को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई अब 19 मार्च को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल 2012 के UGC नियम देशभर में लागू रहेंगे। कोर्ट ने पूछा कि जब भेदभाव की परिभाषा पहले से सभी तरह के भेदभाव को कवर करती है, तो 'जाति-आधारित भेदभाव' को अलग से परिभाषित करने की जरूरत क्यों पड़ी? कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि रेगुलेशंस में रैगिंग को क्यों शामिल नहीं किया गया, जबकि यह कैंपस में एक बड़ी समस्या है। CJI ने कहा- अनुसूचित जातियों में भी कई लोग अब आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुके हैं। हमने अब तक जो जातिविहीन समाज की दिशा में प्रगति की है, क्या हम अब फिर से पीछे जा रहे हैं? CJI ने अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल बनाने के प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए। हम सब साथ रहते थे, आज इंटर-कास्ट मैरिज भी होती हैं। भारत की एकता शैक्षणिक संस्थानों में भी दिखनी चाहिए। UGC के नए कानून का नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में SC, ST और OBC छात्रों के खिलाफ जातीय भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश दिए गए थे। नए नियमों के तहत, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने का निर्देश दिया गया। ये टीमें SC, ST और OBC छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि, सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स का आरोप है कि वत्रू ने जाति आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी। सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स का आरोप है कि नए नियमों में सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। इनसे उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा मिलेगा। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन: हम नियम 3 (C) को चुनौती दे रहे हैं, जो जाति आधारित भेदभाव को परिभाषित करता है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन: यह पूरी तरह से संकीर्ण है! 'भेदभाव' की परिभाषा व्यापक है। सामान्य वर्ग के सदस्यों के मामले में...जब धारा 3 (e) पहले से ही लागू है, तो धारा 3(C) की क्या आवश्यकता है?

केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

याचिकाकर्ता विनीत जिंदल की दलीलें

वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा, 'आज, सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है।

जैसा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3उ जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि SC, ST और OBC के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है।'

यूजीसी के नए नियमों से देशभर में आक्रोश

दरअसल, यूजीसी रेगुलेशन, 2026 को 23 जनवरी, 2026 को नोटिफाई किया गया था। जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश फैल गया। जिसके बाद इसे कई याचिकाकताओं ने मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन एक्ट, 1956 का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी। यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाएं मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने दायर की हैं। याचिकाकताओं का तर्क है कि ये नियम सामान्य वर्गों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

गणतंत्र दिवस परेड: नेवी मार्चिंग दल तीनों सेनाओं में बनी बेस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड 2026 के विजेताओं के नाम को बुधवार को एलान किया गया। इसमें इंडियन नेवी के मार्चिंग दस्ते को तीनों सेनाओं बेस्ट माना गया। वहीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महाराष्ट्र ने बेस्ट झांकी की लिस्ट में टॉप किया। इसमें गणेश उत्सव को आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में दशार्या गया था। पारंपरिक पोशाक पहनी महिलाओं ने झांकी के दोनों ओर लोक नृत्य किया। वहीं, संस्कृति मंत्रालय की वंदे मातरम की 150 साल की विरासत का जश्न मनाने वाली झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। अधिकारियों ने बताया कि 30 जनवरी को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में किया जाएगा। नेवी के अधिकारियों ने बताया कि नेवी के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नौसेना के मार्चिंग दल ने तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का शीर्ष पुरस्कार जीता। वहीं, दिल्ली पुलिस के दल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) और अन्य सहायक बलों में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल घोषित किया गया। कल्चरल मिनिस्ट्री की झांकी ने वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

तीनों सेनाओं ने राष्ट्रपति मुर्मू को नेशनल सैल्यूट दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के विजय चौक पर गुरुवार शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी हो रही है। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के 4 दिन तक चलने वाले कार्यक्रमों का समापन होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सेरेमनी में मौजूद हैं। समारोह की शुरूआत में सेना द्वारा राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया। इसके बाद तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरूआत धुन 'कदम-कदम बढ़ाए जा' बजाकर की। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम जनता मौजूद रही। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया है। इसके बाद पाइप्स एंड ड्रम्स बैंड ने अतुल्य भारत', वीर सैनिक', मिली झुली', नृत्य सरिता', मरूनी' और झेलम' जैसी मधुर धुनें पेश कर रहा है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड विजय भारत', हथरोही', जय हो' और वीर सिपाही' बजाएंगे। भारतीय वायुसेना का बैंड ब्रेव वॉरियर', ट्वाइलाइट', अलर्ट' और फ्लाइंग स्टार' की धुनें पेश करेगा।

इकोनॉमिक सर्वे लोकसभा में हुआ पेश

पीएम ने कहा: सरकार की पहचान रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म, यूरोपियन बाजार खुलने से मैन्युफैक्चरर के लिए अवसर खुले

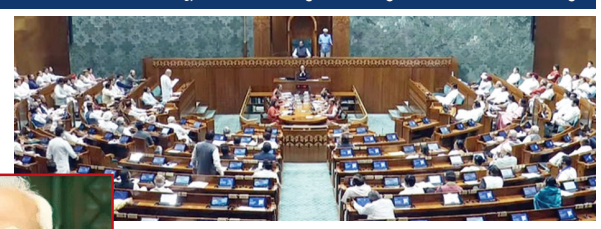

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा, हमारी सरकार की पहचान रही है, रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। अब हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़े हैं। उन्होंने कहा, 'यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है। 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। यह दूसरे चौथाई की शुरूआत है। 2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये 25 साल बहुत अहम हैं।' एक दिन पहले बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया था। लोकसभा में 9 विधेयक लंबित हैं, जिनमें विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025, प्रतिभूति बाजार संहिता 2025 और संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 शामिल हैं। इन विधेयकों की वर्तमान में संसदीय स्थायी या प्रवर समितियां जांच कर रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। इससे पहले प्रश्नकाल खत्म हुआ। मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने कहा, 'जब यूपीए ने मनरेगा की शुरूआत की थी, तब यह काम का अधिकार देने वाली योजना थी और रोजगार की गारंटी देती थी। अब इसके लिए आवंटित धन में कटौती कर दी गई है और राज्यों का हिस्सा बढ़ा दिया गया है, जिससे इस योजना का गला घोंटा जा रहा है और इसे समाप्त करने की स्थिति पैदा हो गई है।' बजट सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को लोकसभा के कार्यवाही शुरू हुई। शुरूआत प्रश्नकाल से हुई। उधर, राज्यसभा में अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने सदस्यों को संबोधित किया। पहला मुद्दा केरल के बागान (प्लांटेशन) क्षेत्र से संबंधित था, जिसे सीपीआई के संदोष कुमार पी ने उठाया। पीएम मोदी ने कहा, 'देश का ध्यान बजट की तरफ होना स्वाभाविक है, लेकिन सरकार कि पहचान रही है कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफोर्म। सांसदों को धन्यवाद देता हूं कि वो इस तरफ लगातार काम कर रहे हैं। हमारे हर निर्णय में देश की प्रगति लक्ष्य है। हमारे सारे फैसले ूमन सेंट्रिक हैं। हमारे योजनाएं ूमन सेंट्रिक हैं। हम टेक्नोलॉजी को आत्मसात भी करेंगे, लेकिन साथ-साथ हम मानव केंद्रित व्यवस्था को कम नहीं आंकेंगे। भारत की डेमोक्रेसी और डेमोग्राफिक से आज दुनिया की बहुत बड़ी उम्मीद है। विश्व इसका जरूर स्वागत करता है और स्वीकार भी करता है। देश आज आगे बढ़ रहा है। देश आज व्यवधान का नहीं, समाधान की तरफ बढ़ रहा है। आज भूमिका व्यवधान के माध्यम से रोकर बैठने की नहीं, हिम्मत के साथ समाधान वाले फैसले लेने की है। पीएम ने कहा, 'मेरे देश के मैन्यूफैक्चरर के लिए यूरोपियन यूनियन का बहुत बड़ा बाजार खुल गया है। अब सस्ते में हमारा माल वहां पहुंचेगा। यह अवसर है। इसका पहला मंत्र होता है कि हम क्वालिटी पर बल दें।

'अजित दादा' पंचतत्व में हुए विलीन

परिवार समेत समर्थकों ने नम आंखों से दी विदाई, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को उनके गृहनगर बारामती में अंतिम विदाई दी गई। एक दुखद विमान हादसे में उनके निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर है। अजित पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में भारी संख्या में समर्थक अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे।अंतिम संस्कार की रस्में दोपहर में शुरू हुईं। अजित पवार के बेटों, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लिपटा हुआ उनके गांव काटेवाड़ी से विद्या प्रतिष्ठान मैदान लाया गया। मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने "अजित दादा अमर रहें" के नारे लगाए, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया। इस दुखद घड़ी में देश और राज्य के कई बड़े नेता बारामती पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। अजित पवार के चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार भी वहां मौजूद थे। वे पूरे समय चुपचाप बैठे रहे और अपने भतीजे को अंतिम विदाई दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी पुणे से बारामती पहुंचे और पुष्पचक्र अर्पित किए। अजित पवार की चचेरी बहन और सांसद सुप्रिया सुले पूरे समय सुनेत्रा पवार के साथ खड़ी रहीं और उन्हें सांत्वना देती रहीं।

अंतिम संस्कार में प्रफुल्ल पटेल, रामदास अठावले, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे और अशोक चव्हाण जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हुए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी काटेवाड़ी जाकर अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता रितेश देशमुख भी इस मौके पर मौजूद थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्र की आत्मा शहीदों में बसती है और जब तक हम उन्हें स्मरण करते रहेंगे, तब तक भारत की चेतना जीवित रहेगी

शहीदों की प्रशंसा केवल उनके साहस और वीरता के लिए नहीं, बल्कि उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध के लिए भी की जानी चाहिए। शहीद वे लोग थे जिन्होंने यह समझा कि देश के प्रति जवाबदेही केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में निभाई जाती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। किसी ने फांसी का फंदा हंसते-हंसते स्वीकार किया, तो किसी ने बर्फीली चोटियों पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

(30 जनवरी शहीद दिवस)

30 जनवरी भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर में केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह वह दिन है जो हमें हमारे राष्ट्र की आत्मा, उसके संघर्ष, उसके नैतिक मूल्यों और उन अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है जिनकी नींव पर आज़ाद भारत खड़ा है। यह दिन शहीद दिवस या सर्वोदय दिवस के रूप में मनाया जाता है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है। 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली के बिरला हाउस में प्रार्थना सभा के दौरान महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई थी। यह क्षण केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं था, बल्कि मानवता, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाली चेतना को झकझोर देने वाला क्षण था। इसी कारण 30 जनवरी को भारत अपने सभी शहीदों को स्मरण करता है और उनके सर्वोच्च त्याग के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है।

महात्मा गांधी का जीवन और बलिदान भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। उन्होंने सत्य और अहिंसा को केवल राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि जीवन का मूल दर्शन बनाया। उनका विश्वास था कि हिंसा से प्राप्त विजय टिकाऊ नहीं होती, जबकि नैतिक बल से प्राप्त स्वतंत्रता समाज को स्थायी रूप से बदल देती है। जब 30 जनवरी 1948 को उन्हें हमसे छीन लिया गया, तब पूरा देश शोक में डूब गया। उस दिन भारत ने न केवल अपने राष्ट्रपिता को खोया, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक को भी खो दिया जिसने दुनिया को यह सिखाया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्य झुकाए जा सकते हैं। शहीद दिवस इसी ऐतिहासिक पीड़ा और प्रेरणा का प्रतीक है।

शहीद दिवस का उद्देश्य केवल अतीत को याद करना नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य को दिशा देना भी है। इस दिन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति राजघाट पर जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सुबह 11 बजे पूरे देश में दो मिनट का मौन रखा जाता है। यह मौन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन का क्षण है, जब हर नागरिक अपने भीतर यह प्रश्न करता है कि क्या हम उन आदर्शों पर चल रहे हैं जिनके लिए हमारे शहीदों ने अपना जीवन न्योछावर किया। यह मौन हमें शोर से भरी दुनिया में ठहरकर सोचने का अवसर देता है।

भारत का इतिहास शहीदों की गाथाओं से भरा पड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सीमाओं की रक्षा तक, हर युग में भारत की मिट्टी ने अपने सपूतों का लहू देखा है। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी शासन के खिलाफ आवाज़ उठाई और अपने प्राणों की आहुति दी। सैनिकों ने सीमाओं पर खड़े होकर अपने परिवार, अपने सुख और अपने भविष्य को त्याग कर देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। इन सभी शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल एक भूगोल नहीं है, बल्कि एक साझा चेतना है, जिसकी रक्षा के लिए व्यक्तिगत हितों का त्याग आवश्यक होता है।

शहीदों की प्रशंसा केवल उनके साहस और वीरता के लिए नहीं, बल्कि उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध के लिए भी की जानी चाहिए। शहीद वे लोग थे जिन्होंने यह समझा कि देश के प्रति जवाबदेही केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में निभाई जाती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। किसी ने फांसी का फंदा हंसते-हंसते स्वीकार किया, तो किसी ने बर्फीली चोटियों पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था और व्यक्तिगत जीवन गौण। यही भावना उन्हें साधारण नागरिकों से असाधारण बनाती है।

शहीद दिवस उन आत्माओं की स्मृति है जिन्होंने इसी मिट्टी के लिए सर्वोच्च त्याग किया और अंततः इसी मिट्टी में समाहित हो गए। उनकी राख, उनका लहू और उनकी स्मृतियां इस देश की धमनियों में बहती हैं। जब हम आज़ादी की हवा में सांस लेते हैं, तो उसमें उनके बलिदान की सुगंध भी घुली होती है। जब हम लोकतंत्र के अधिकारों की बात करते हैं, तो उसके पीछे उनकी कुर्बानियों की मजबूत दीवार खड़ी होती है। इसलिए शहीद दिवस केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि कृतज्ञता का दिन है।

महात्मा गांधी की शहादत हमें यह भी सिखाती है कि मतभेदों का समाधान हिंसा नहीं हो सकता। उन्होंने अपने जीवन में बार-बार कहा कि अहिंसा कायरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों का हथियार है। शहीद दिवस पर गांधीजी को याद करना हमें उनके इस संदेश की ओर लौटने का अवसर देता है। आज जब समाज में असहिष्णुता, वैमनस्य और हिंसा के स्वर तेज़ होते जा रहे हैं, तब गांधी का दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची देशभक्ति दूसरों को नीचा दिखाने में नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने में है।

शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि केवल पुष्पांजलि अर्पित करने या मौन रखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह श्रद्धांजलि तब पूर्ण होती है, जब हम ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। एक जिम्मेदार नागरिक बनना, कानून का सम्मान करना, समाज में सद्भाव बनाए रखना और देश की एकता व अखंडता की रक्षा करना ही शहीदों के बलिदान का वास्तविक सम्मान है।

जब एक छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करता है, जब एक किसान मेहनत से अन्न उगाता है, जब एक सैनिक सीमा पर सतर्क रहता है और जब एक नागरिक संविधान का सम्मान करता है, तब शहीदों का सपना साकार होता है।

शहीद दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि स्वतंत्रता स्थायी नहीं होती, उसे निरंतर सजगता से संभालना पड़ता है। जिन मूल्यों के लिए शहीदों ने बलिदान दिया, यदि हम उन्हें भूल जाएं, तो उनकी कुर्बानी अधूरी रह जाती है। इसलिए यह दिन आत्ममंथन का दिन है। यह हमें पूछने पर मजबूर करता है कि क्या हम सत्य, अहिंसा, समानता और न्याय जैसे मूल्यों को अपने जीवन में उतार रहे हैं। क्या हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं, जिसकी कल्पना हमारे शहीदों ने की थी।

अंततः 30 जनवरी का दिन हमें झुककर नमन करना सिखाता है। यह दिन अहंकार को त्याग कर कृतज्ञता को अपनाने का संदेश देता है।

जब पूरा देश दो मिनट के मौन में एक साथ खड़ा होता है, तब वह मौन शब्दों से अधिक बोलता है। वह मौन कहता है कि हम अपने शहीदों को भूले नहीं हैं। वह मौन यह वादा करता है कि हम उनके सपनों के भारत को साकार करने का प्रयास करेंगे। शहीद दिवस हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र की आत्मा शहीदों में बसती है और जब तक हम उन्हें स्मरण करते रहेंगे, तब तक भारत की चेतना जीवित रहेगी।

(रु 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

दुखद हादसा

बुधवार सुबह बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार के राज्य में राजनीतिक योगदान को नकारा नहीं जा सकता। राज्य में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य विपक्षी दलों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। हालांकि, ममता बनर्जी ने उनकी मौत को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं, लेकिन उनके राजनीतिक गुरु व चाचा शरद पवार ने उनकी मृत्यु को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को खारिज किया है। निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्य ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका। विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। निस्संदेह, अजित पवार जनता के नेता थे और जमीनी स्तर पर लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। बताया जाता है कि प्रशासनिक मामलों में उनकी समझ गहरी थी। वे वंचित वर्ग को सशक्त करने के प्रयासों के लिये जाने जाते रहे हैं। बहरहाल, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में उनके बदलते दांव-पेचों के लिये याद किया जाता रहेगा। उनके बारे में कहा जाता रहा है कि वे उस कहावत को हकीकत बनाते रहे हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त नहीं होता और ना ही स्थायी दुश्मन। वे अपनों के साथ तो रहे, गैरों को भी रास आए। उन्होंने चाचा और अपने राजनीतिक गुरु शरद पवार से राजनीति के गुर सीखे। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है, लेकिन अजित पवार ने उनसे अलग होकर अपनी नई राह भी बनायी। यूं तो उन्होंने चाचा शरद के साथ राजनीतिक पारी शुरू की लेकिन साल 2023 आने तक वे एकला चलो की राजनीति करने लगे। हालांकि, उन्होंने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति का ककहरा सीखा लेकिन एक समय वे पार्टी का सिंबल भी ले जाने में कामयाब रहे। फिर शरद पवार को नई पार्टी बनाकर उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी। बारहवीं तक पढ़ाई के बावजूद वे अनुभवी नीतिकारों की सहायता से एक बेहतर प्रशासक भी साबित हुए। सहकारी चीनी मिलों से राजनीति की शुरुआत करने वाले पवार विधायक से लेकर सांसद तक चुने जाते रहे। वे राज्य में छह बार उप मुख्यमंत्री बने। साल 1991 में पहली बार बारामती से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने, लेकिन चाचा शरद पवार के लिये बाद में सीट खाली भी की। वे सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने। उनकी लोकप्रियता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वे सात बार विधायक चुने गए। फिर वे विलासराव देशमुख की कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में पहली बार सिंचाई मंत्री बने। फिर ग्रामीण विकास मंत्री भी रहे। बाद में वे एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन में जल संसाधन मंत्री भी रहे। साल 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उनके अचानक भाजपा गठबंधन के साथ आने और उप मुख्यमंत्री बनने ने सबको चौंकाया था।

गांधी जी के किस्से, जो मनुष्य को बनाते हैं बेहतर इंसान

लेखिका- श्वेता गोयल)

- मृत्यु के बाद भी जीवित हैं गांधी

(महात्मा गांधी के बलिदान दिवस (30 जनवरी) पर विशेष)

आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी पुण्यतिथि को प्रतिवर्ष 'बलिदान दिवस' के रुप में मनाया जाता है। पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले गांधी जी पहले ऐसे इंसान थे, जिनके सम्पूर्ण जीवन ने विश्वभर में अनेक लोगों की जिंदगी पर गहरा प्रभाव डाला। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के साथ साधनों की पवित्रता जैसी जीवनोपयोगी व्यावहारिक बातों की ओर समूची दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। उनकी जिंदगी पर कई फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बन चुकी हैं तथा कई किताबें भी लिखी गई हैं। सही मायनों में गांधी जी के आदर्शों और सिद्धांतों की वजह से वे आज भी करोड़ों लोगों के दिलों में बसते हैं। उनका कहना था कि स्वयं वो बदलाव बनिए, जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। महात्मा गांधी के शब्दों में 'अधभूखे राष्ट्र के पास न कोई धर्म, न कोई कला और न ही कोई संगठन हो सकता है और काम की अधिकता नहीं बल्कि अनियमितता आदमी को मार डालती है।' अहिंसा को एक विज्ञान बताते हुए गांधी जी का कहना था कि विज्ञान के शब्दकोश में 'असफलता' का कोई स्थान नहीं और उस आस्था का कोई मूल्य नहीं, जिसे आचरण में न लाया जा सके। उनका कहना था कि रामायण का पाठ करते रहना व्यर्थ है, यदि आप राम जैसा आचरण नहीं करते।

महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक किस्से प्रचलित हैं, जिनसे उनके महान् व्यक्तित्व की स्पष्ट झलक मिलती है। ऐसी ही एक घटना दक्षिण अफ्रीका की है। एक प्रसिद्ध व्यापारी रूस्तम जी गांधी जी के मुवक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। कलकत्ता और बम्बई से तब उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने यह बात सदैव गांधी जी से छिपाए रखी। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा उनकी यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और पूरा वृतांत उन्हें सुना डाला। गांधी जी ने उनकी पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाते हुए सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं स्वीकार कर लो, फिर भले ही इससे तुम्हें जेल क्यों न हो जाए। गांधी जी की सलाह मानकर रूस्तम जी तुरंत चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकार कर लिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकद्दमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया।

गांधी जी एक बार चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, 'यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।' गांधी जी किसान को बिना कुछ कहे चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, 'धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।' रोचक बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान नहीं सका। बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गई। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया।

एक घटना उस समय की है, जब गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा कि इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके। अहिंसा के पुजारी गांधी जी सदैव कहा करते थे कि अपनी बुराई हमेशा सुनें, अपनी तारीफ कभी न सुनें। दरअसल उनका मानना था कि इंसान को अपनी तारीफ से ज्यादा बुराई सुननी चाहिए। गांधी जी का मानना था कि मनुष्य जब एक नियम तोड़ता है तो बाकी अपने आप टूट जाते हैं। वह अक्सर कहा करते थे कि जिस दिन प्रेम की शक्ति, शक्ति के प्रति प्रेम पर हावी हो जाएगी, दुनिया में अमन आ जाएगा। गांधी जी के तीन बंदरों का संदेश 'बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो' आज भी प्रेरणा का स्रोत है। यह उनकी विचारधारा का प्रतीक है कि जीवन में हमें केवल सकारात्मकता को आत्मसात करना चाहिए।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

विचार मंथन

अजित पवार के निधन से बदलेंगे राजनीतिक समीकरण?

(लेखक- सनत जैन)

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर उस चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है, जहां से सियासी जोड़-तोड़ वाले गठबंधन के साथ ही जीत-हार के अलग-अलग रास्ते नजर आ रहे हैं। दरअसल उप मुख्यमंत्री अजित पवार का एक विमान हादसे में आकस्मिक निधन न केवल एक प्रभावशाली नेता के एक युगा का अंत है, बल्कि इसके दूरगामी राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई देने लगे हैं। 66 वर्षीय अजित पवार का यूं अचानक चले जाना उस समय हुआ है, जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही अस्थिर समीकरणों, टूटे गठबंधनों और बदले हुए सत्ता संतुलन से गुजर रही थी। वैसे तो अजित पवार का राजनीतिक जीवन जितना लंबा और प्रभावशाली नजर आता है, उतना ही विवादों और टकरावों से भरा भी रहा। जुलाई 2023 में उन्होंने अपने चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार के खिलाफ बगावत कर महाराष्ट्र की राजनीति को झकझोर दिया था। आठ अन्य विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होकर उन्होंने न केवल एनसीपी को दो हिस्सों में बांट दिया, बल्कि पवार परिवार की राजनीति में भी गहरी दरार डाल दी थी। यह फैसला शरद पवार के लिए राजनीतिक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी बड़ा झटका माना गया था। तब अजित पवार का तर्क था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और महाराष्ट्र की प्रगति के लिए भाजपा के साथ जाना जरूरी है। लेकिन शरद पवार ने इसे सत्ता का दुरुपयोग बताते हुए जनता के बीच जाने का रास्ता चुना। 2023 के बाद से दोनों चाचाभतीजे अलग-अलग राजनीतिक राहों पर चल पड़े। 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार की एनसीपी कमजोर साबित हुई, लेकिन उसी वर्ष हुए विधानसभा चुनावों में उन्होंने 41 सीटें जीतकर खुद को एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर लिया। इसके उलट शरद पवार की एनसीपी (एसपी) केवल 10 सीटों पर सिमट गई। अजित पवार का निधन ऐसे समय हुआ है, जब वे एक बार फिर पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए थे और जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों के लिए प्रचार में जुटे थे। माना जा रहा था कि इन स्थानीय चुनावों में वे अपने चाचा शरद पवार के साथ किसी समझौते की ओर बढ़ सकते हैं, लेकिन अब यह संभावना भी समाप्त हो गई है। वैसे इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि अजित पवार के अचानक यूं जाने के बाद सहानुभूति की लहर शरद पवार के पक्ष में जा सकती है, खासकर मराठा समुदाय के बीच।

यह अलग बात है कि महाराष्ट्र में मराठा राजनीति पहले से ही कमजोर पड़ती दिख रही है। खेती, सहकारिता, शिक्षा और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में मराठा वर्चस्व धीरे-धीरे घटा है। भाजपा के उभार के बाद यह भावना और मजबूत हुई है कि पारंपरिक मराठा नेतृत्व हाशिये पर जा रहा है। ऐसे में शरद पवार के लिए यह क्षण भावनात्मक और राजनीतिक दोनों रूप से अवसर लेकर आ सकता है। ग्रामीण महाराष्ट्र में अब भी मराठा समाज की पकड़ है और अजित पवार के निधन से उपजी सहानुभूति शरद पवार को फिर से प्रासंगिक बना सकती है। हालांकि सत्ता के गणित की बात करें तो अजित पवार के निधन से तत्काल सरकार पर कोई खतरा नहीं दिखता। दरअसल 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 132 सीटें हैं और शिवसेना (शिंदे गुट) के 57 विधायक हैं। अजित पवार गुट की एनसीपी के 41 विधायक भले ही सरकार से अलग हो जाएं, फिर भी सरकार के पास बहुमत बना रहेगा। बहरहाल यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति केवल संख्या का खेल नहीं होती, भावनाएं और सामाजिक समीकरण भी उतने ही अहम होते हैं। अजित पवार लंबे समय से मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए थे। 2004 से ही वे खुद को उस पद के लिए उपेक्षित मानते रहे और यही निराशा अंततः विद्रोह में बदली। उनका निधन उस अधूरे सपने के साथ हुआ, जिसे वे कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब वे राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हो चुके हैं, महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है।

आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि अजित पवार की अनुपस्थिति में उनकी एनसीपी किस दिशा में जाती है और क्या शरद पवार इस सहानुभूति को राजनीतिक पुनरुत्थान में बदल पाते हैं। इतना तय है कि यह हादसा केवल एक नेता का अंत नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के अगले अध्याय की शुरुआत भी है।

हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 52 हफ्तों के नये उच्चतम स्तर पर

- पिछले छह महीनों में शेयर 180 फीसदी से अधिक चढ़ चुका

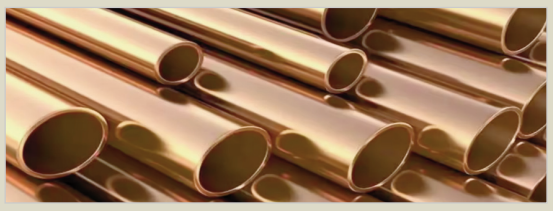

मुंबई । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार को जोरदार तेजी देखने को मिली और यह 52 हफ्तों के नए उच्चतम स्तर 758.25 रुपए पर पहुंच गया। पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 40 फीसदी उछल चुका है, जबकि पिछले 30 दिनों में इसमें 50 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। लंबे समय की दृष्टि से देखें तो पिछले छह महीनों में शेयर 180 फीसदी से अधिक चढ़ चुका है। 22 जनवरी को शेयर 531.80 रुपए पर बंद हुआ था। उसके बाद लगातार मजबूती रही। मंगलवार को शेयर में 5 फीसदी, बुधवार को 12.5 फीसदी और गुरुवार को 19.84 फीसदी की तेजी आई। विशेषज्ञों के अनुसार इस तेजी के पीछे वैश्विक तांबे की कीमतों में उछाल एक बड़ा कारण है। एमसीएक्स पर जनवरी डिलीवरी वाले तांबे के भाव 1,350 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक पहुंच गए। डॉलर में कमजोरी, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के कारण निवेशक रियल एसेट्स जैसे सोना, चांदी और तांबे की ओर रुख कर रहे हैं। तांबे की औद्योगिक मांग मजबूत है, खासकर रिन्यूएबल एनर्जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के चलते। सप्लाई की कमी और वैश्विक मांग का दबदबा कीमतों को सहारा दे रहा है। हिंदुस्तान कॉपर ने मध्य प्रदेश में नए तांबे के ब्लॉक के लिए प्रेफर्ड बिडर बनने की घोषणा की, जिससे भविष्य में उत्पादन और ग्रोथ की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तांबे के फ्यूचर्स में तेजी और कंपनी की सकारात्मक खबरें शेयर को मजबूत बनाए हुए हैं। निवेशकों का रुझान तेजी की ओर बना हुआ है, जिससे हिंदुस्तान कॉपर का शेयर फिलहाल निवेशकों के लिए आकर्षक बना हुआ है।

यूनियन बजट 2026 में टैक्सपेयर्स को मिल सकता है बड़ा तोहफा

नई दिल्ली । सरकार यूनियन बजट 2026 में टैक्स-सेविंग्स डिडक्शन की लिमिट बढ़ा सकती है। वर्तमान में सेक्शन 80 सी के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक निवेश पर डिडक्शन मिलता है। सुझाव है कि इसे बढ़ाकर 2.5 लाख रुपए किया जाए, जिससे टैक्सपेयर्स अधिक बचत कर सकेंगे। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार 9वीं बार यूनियन बजट पेश करेंगी। पिछले बजट में सालाना 12 लाख रुपए तक की इनकम टैक्स-फ्री की गई थी। इस बार भी टैक्सपेयर्स को राहत मिलने की उम्मीद है।

वोडाफोन आइडिया अगले तीन वर्षों में 45,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया (वीआई) अगले तीन वर्षों में अपने व्यवसाय में 45,000 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बना रही है। यह राशि पिछले छह तिमाहियों में किए गए 18,000 करोड़ रुपए के निवेश के अतिरिक्त होगी। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि निवेश का मुख्य उद्देश्य विकास की पटरी पर लौटना और नेटवर्क की गुणवत्ता सुधारना है। अधिकारी ने कहा कि वोडाफोन आइडिया 22 में से 17 सर्किलों में नेटवर्क कवरेज का विस्तार करेगी और अगले तीन वर्षों में 5 सर्किलों में 2जी साइटों को आधुनिक ऑनलाइन नेटवर्क में बदलने का प्रयास करेगी। यह कदम मुख्य रूप से प्रतिस्पर्धियों के बराबर नेटवर्क प्रदान करने और ग्राहकों का अनुभव बेहतर बनाने के लिए उठाया जा रहा है।

फ्लेर होटल्स में वारबर्ग पिंकस 960 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । लेमन ट्री होटल्स की सब्सिडियरी फ्लेर होटल्स में अमेरिका की बहुराष्ट्रीय निजी इक्विटी कंपनी वारबर्ग पिंकस 960 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके साथ ही डच पेंशन फंड (एपीजी)फ्लेर होटल्स में 41.09 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। यह सौदा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में संस्थागत पूंजी की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषकों ने कहा कि यह निवेश सकारात्मक है। उनका मानना है कि वारबर्ग पिंकस का शामिल होना भविष्य के बड़े पूंजीगत व्यय जैसे ऑरिका नेहरू प्लेस के निवेश जोखिम को कम करेगा और फ्लेर की सूचीबद्धता का मार्ग आसान बनाएगा।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक सुधारों का प्रभाव सकारात्मक

नई दिल्ली ।

भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है। यह चालू वित्त वर्ष के अनुमानित 7.4 फीसदी से थोड़ी कम है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश आर्थिक समीक्षा में यह जानकारी दी गई। समीक्षा में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश के आर्थिक दृष्टिकोण में मजबूती बनी हुई है। हालांकि, सरकार ने सावधानी बरतने की सलाह दी, लेकिन निराशावादी होने की आवश्यकता नहीं है। आर्थिक वृद्धि का अनुमान पिछले कुछ वर्षों में किए गए नीतिगत सुधारों के प्रभाव के आधार पर लगाया गया है, जिससे देश की मध्यम अवधि की वृद्धि क्षमता लगभग 7 फीसदी के आसपास पहुंच चुकी है। आर्थिक समीक्षा में यह भी बताया गया कि घरेलू कारकों और वृहद आर्थिक स्थिरता के कारण, वृद्धि से जुड़े जोखिमों में संतुलन बना हुआ है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 8 पैसे की बढ़त के साथ ही 91.91 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92.00 पर पहुंच गया। डॉलर की स्थिर मांग और वैश्विक स्तर पर सतर्कता के माहौल से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता ने जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया जिससे उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.95 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद महीने के अंत में डॉलर की बढ़ती मांग के बीच डॉलर के मुकाबले 92 तक फिसल गया। रुपया बुधवार को 31 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 91.99 पर पहुंच गया था। इससे पहले रुपया 23 जनवरी को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 96.16 पर रहा।

पेंशन कराधान में सुधार की मांग; फिक्स्ड-इंटरेस्ट साधनों के समकक्ष हो टैक्स व्यवस्था : वेंकी अय्यर

रिटायरमेंट आय बढ़ाने के लिए प्रॉफ़िट-बेस्ड टैक्स और स्टैंडर्ड डिडक्शन का प्रस्ताव

मुंबई/इंदौर । लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल की इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी) के को-चेयरपर्सन वेंकी अय्यर ने पेंशनधारकों को बड़ी राहत देने की वकालत करते हुए मौजूदा कर व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पेंशन भोगियों पर टैक्स का बोझ तुलनात्मक रूप से अधिक है, जिसे अन्य फिक्स्ड-इंटरेस्ट (निश्चित ब्याज) वाले निवेश साधनों के अनुरूप बनाना आवश्यक है। वेंकी अय्यर के अनुसार, पेंशन पर टैक्स की व्यवस्था को मुनाफे आधारित बनाया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कराधान केवल अर्जित ब्याज या मुनाफे पर ही लागू होना चाहिए, न कि पेंशन की पूरी राशि पर। इस बदलाव से रिटायरमेंट के बाद वरिष्ठ नागरिकों के पास उपलब्ध होने वाली शुद्ध आय में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें महंगाई के दौर में बेहतर जीवन स्तर बनाए रखने में मदद मिलेगी। काउंसिल ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी विसंगति की ओर इशारा करते हुए सुझाव दिया कि जो पेंशनधारक अपनी संचित राशि को कम्यूट (एकमुश्त निकासी) नहीं करते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से स्टैंडर्ड डिडक्शन की सुविधा दी जानी चाहिए। अय्यर ने तर्क दिया कि यह कदम सभी श्रेणी के पेंशनधारकों के बीच कर समानता सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है। अय्यर का मानना है कि यदि केंद्र सरकार इन सुझावों को आगामी नीतियों में शामिल करती है, तो इससे न केवल पेंशनधारकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, बल्कि देश में जीवन बीमा के माध्यम से की जाने वाली लंबी अवधि की बचत को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने इसे भारत के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर करार दिया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 222, निफ्टी 76 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज आर्थिक सर्वेक्षण में अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर जारी किए गए सकारात्मक अनुमानों से भी बाजार धारण मजबूत हुई जिससे भी बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 221.69 अंक बढ़कर 82,566.37 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 76.15 अंक बढ़कर 25,418.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और उर्जा शेयरों में तेजी से भी बाजार उछला है । निफ्टी धातु , निफ्टी उर्जा, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी पीएसई और निफ्टी ऑयलएंडगैस के शेयरों में तेजी रही। की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.21 , निफ्टी हेल्थकेयर , निफ्टी एफएमसीजी 0.91, निफ्टी फार्मा 0.81 , निफ्टी पीएसयू बैंक 0.79 , निफ्टी आईटी और निफ्टी ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मजबूती रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 102.40 अंक या 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 58,541 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 34.05 अंक की बढ़त के साथ 16,825 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में , एलएंडटी, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक , एसबीआई के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, मारुति सुजुकी, बीईएल, एमएंडएम, टीसीएस, सन फार्मा, एचयूएल, ट्रेंट, टाइटन, आईटीसी के शेयरों में गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स लगभग सपाट शुरुआत करते हुए 82,368 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 254 अंक की गिरावट के साथ 82,090.12 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी-50 25,345 अंक पर खुलने के बाद 25,300 के स्तर से नीचे आ गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने चेयरमैन जेरोम पॉवेल के ब्याज दरों को 3.5 से 3.75 फीसदी के दायरे में बनाये रखने और भविष्य में दरों में कटौती को लेकर कोई स्पष्ट संकेत न मिलने से एशियाई बाजारों में कमजोरी आई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.46 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.58 फीसदी कमजोर रहा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.8 फीसदी फिसल गया। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को लगभग सपाट बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 6,978.03 पर लगभग स्थिर रहा, नैस्डैक कंपोजिट 0.17 फीसदी चढ़कर 23,857.45 पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज भी 49,015.60 के स्तर पर बिना खास बदलाव के बंद हुआ।

कमजोर विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के दबाव से धराशायी हुआ रुपया

डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड 92 के निचले स्तर पर पहुंचा रूपया

नई दिल्ली।

बजट से पहले भारत के रुपये में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड लगभग 92 रुपये (91.98) के निचले स्तर पर पहुंच गया है। इसने अपने पिछले सबसे निचले स्तर 91.9650 को भी पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को भारत का रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी प्रवाह में लगातार कमजोरी और आगे गिरावट से बचने के लिए हेजिंग की होड़ ने मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से मिलने वाले संकेतों पर पानी फेर दिया।

फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और लगातार विदेशी फंड के बाहर जाने के कारण भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा और इंट्राडे ट्रेड में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.99 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल का भी रुपये पर दबाव पड़ा। गोल्डमैन सैक्स के एनालिस्ट्स ने एक नोट में कहा है कि हमें उम्मीद है कि भारतीय एक्सपोर्ट पर मौजूदा ऊंचे अमेरिकी टैरिफ आखिरकार कम हो जाएंगे, लेकिन इस बीच हो रही देरी भारत के बाहरी बैलेंस पर दबाव डाल रही है। फर्म को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में रुपया गिरकर 94 प्रति डॉलर तक जाएगा।

इस साल अब तक 2 प्रतिशत की गिरावट

इस साल अब तक करेंसी में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है और अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाने के बाद से इसमें लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह तब हुआ है जब आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर को खत्म हुई तिमाही में भारत की जीडीपी 8.2 प्रतिशत बढ़ी है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में, रुपया 91.45 पर खुला और फिर ग्रीनबैक के मुकाबले 91.41 के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। यह दिन के लिए 91.88 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद होने से पहले 92.00 के अब तक के सबसे निचले इंट्राडे स्तर पर पहुंचा, जो पिछले बंद स्तर से 30 पैसे कम है।

भारत के वाहन निर्यात में तेजी, इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उछाल

वित्त वर्ष 2024-25 में 53 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात हुआ

नई दिल्ली । भारत के वाहन उद्योग ने वैश्विक बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया और तिपहिया मिलाकर 53 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात हुआ। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में भी वाहन निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई। कोविड-19 महामारी के बाद घरेलू और वैश्विक मांग में सुधार के चलते उत्पादन और बिक्री दोनों में तेजी आई है। पिछले एक दशक में यानी वित्त वर्ष 2014-15 से 2024-25 के दौरान, वाहन उद्योग में लगभग 33 प्रतिशत उत्पादन वृद्धि हुई है। यह उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है और भारत के कुल जीएसटी संग्रह में लगभग 15 प्रतिशत योगदान रखता है। भारत दोपहिया और तिपहिया वाहनों का दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। वहीं यात्री और वाणिज्यिक वाहनों में यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। सरकारी पहलों जैसे पीएलआई योजना, पीएम ई-ड्राइव, पीएम ई-बस-पीएसएम और एसएमईसी योजना ने इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके अलावा एसीसी बैटरी भंडारण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम भी इस क्षेत्र के विकास में सहायक रहा है।

एयरटेल का 36 करोड़ भारतीयों को बड़ा तोहफा, एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम अब निःशुल्क

4,000 रू. मूल्य का एआई-आधारित क्रिएटिव टूल एयरटेल ग्राहकों के लिए फ्री; डिजिटल साक्षरता और क्रिएटर इकॉनमी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली/इंदौर ।

भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक ऐतिहासिक पहल करते हुए अपने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम का एक्सेस पूरी तरह निःशुल्क देने की घोषणा की है। लगभग 4,000 रुपये मूल्य वाला यह एआई-पावर्ड डिजाइनिंग टूल अब एक वर्ष के लिए एयरटेल के मोबाइल, वाईफाई और डीटीएच ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध होगा।

इस वैश्विक साझेदारी का उद्देश्य भारत की उभरती क्रिएटर इकॉनमी और लघु व्यवसायों को अत्याधुनिक एआई टूल्स से लैस करना है। भारती एयरटेल के सीईओ (कनेक्टेड होम्स) सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, यह साझेदारी तकनीक से आगे बढ़कर लाखों भारतीयों को सशक्त बनाने की एक मुहिम है। चाहे छात्र हों, छोटे कारोबारी हों या कंटेंट क्रिएटर्स, हम हर भारतीय के लिए विश्वस्तरीय क्रिएटिव टूल्स को एक वास्तविकता बनाना चाहते हैं।

एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम की विशेषताएं

एआई-आधारित टूल्स : बैकग्राउंड हटाना, कस्टम इमेज जनरेशन और वन-टैप वीडियो एडिटिंग।

विशाल लाइब्रेरी : हजारों प्रोफेशनल टेम्पलेट्स, 30,000+ फॉन्ट्स और प्रीमियम एडोबी स्टॉक एसेट्स।

स्थानीयकरण : यह टूल हिंदी, अंग्रेजी, तमिल और बंगाली सहित कई भाषाओं में उपलब्ध है।

क्लाउड स्टोरेज : यूजर्स को 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज और वॉटरमार्क-मुक्त कंटेंट की सुविधा मिलेगी।

कैसे उठाएं लाभ?

एयरटेल ग्राहक एयरटेल थैंक्स एप के जरिए इस सुविधा को सक्रिय कर सकते हैं। विशेष बात यह है कि इसके लिए किसी क्रेडिट कार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यह टूल छात्रों के लिए प्रभावी पोर्टफोलियो बनाने, छोटे उद्यमियों के लिए मार्केटिंग पोस्टर और इन्फ्लूएंसर्स के लिए वायरल कंटेंट तैयार करने में गेम-चेंजर साबित होगा। एडोबी डिजिटल मीडिया के प्रेसिडेंट डेविड वाधवानी ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह साझेदारी भारत की जीवंत क्रिएटर इकॉनमी के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

बड़े नोट की परेशानी खत्म! एटीएम से अब छोटे नोट भी मिलेंगे

नई दिल्ली ।

छोटे नोटों की कमी आम लोगों और दुकानदारों के लिए रोजमर्रा की समस्या है। खासकर दिहाड़ी मजदूर, छोटे दुकानदार और ऑटो चालक 10 और 20 रुपए के नोटों पर ही अपना काम चलते हैं। सरकार ने इस समस्या का समाधान करने के लिए हाइब्रिड एटीएम की योजना बनाई है। ये एटीएम न सिर्फ कैश निकालने की सुविधा देंगे, बल्कि बड़े नोटों को छोटे नोटों में बदलने का विकल्प भी देंगे। शुरुआत मुंबई से की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन्हें बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल और सरकारी दफ्तर जैसी जगहों पर लगाया जा रहा है, जहां कैश का इस्तेमाल ज्यादा होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक छोटे नोटों की छपाई बढ़ाने पर विचार कर रहा है, ताकि एटीएम में नोटों की कमी न हो। सरकार का मकसद कैश को खत्म करना नहीं है, बल्कि इसे लोगों तक आसानी से उपलब्ध कराना है। हालांकि डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहा है, पर कई लोग अभी भी कैश पर निर्भर हैं। बैंक इस एटीएम की लागत और सुरक्षा संभाल पाएंगे या नहीं, यह एक चुनौती है। इसके बावजूद हाइब्रिड एटीएम रोजमर्रा की खरीदारी में छोटे नोटों की समस्या को काफी हद तक कम कर सकते हैं और आम लोगों के लिए राहत साबित होंगे।

रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार दोगुना, तकनीकी विशेषज्ञों की मांग बढ़ी

एयर और एरोस्पेस सिस्टम में सबसे ज्यादा नौकरियां

नई दिल्ली ।

पिछले तीन वर्षों में भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भर्तियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। सीआईईएल एचआर के अध्ययन के अनुसार, 2022 में लगभग 3,500 लोगों को नियुक्त किया गया था, जबकि अब यह संख्या बढ़कर लगभग 7,000 हो गई है। अध्ययन में कहा गया है कि यह वृद्धि अल्पकालिक नहीं है, बल्कि सालाना आधार पर लगातार हो रही है, जो क्षेत्र में दीर्घकालिक आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण कार्यक्रमों की मजबूती को दर्शाती है। रक्षा क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की मांग में सबसे अधिक रडार सिस्टम, आरएफ इंजीनियरिंग और सुरक्षित संचार तकनीक के लिए है। विशेषज्ञों के वेतन में भी 2022 की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि हुई है। एयर और एरोस्पेस सिस्टम में सबसे ज्यादा नौकरियां निकल रही हैं, जो कुल मांग का एक तिहाई हैं। इसके बाद साइबर, सी4आईएसआर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक सामग्री और अंतरिक्ष तकनीक का हिस्सा 26 प्रतिशत है। नौसेना और समुद्री प्रणाली से जुड़े पेशेवरों की मांग 19 प्रतिशत, लैंड सिस्टम 14 प्रतिशत और मानवरहित प्लेटफॉर्म 10 प्रतिशत है। रक्षा संगठन अपनी कुशलता बनाए रखने के लिए लगभग 20-25 प्रतिशत पदों पर आंतरिक कर्मचारियों को प्रमोट करते हैं। मिशन-क्रिटिकल टेक्निकल और प्रोग्राम लीडरशिप भूमिकाओं में लगभग आधे पद उत्तराधिकार योजना से भरे जाते हैं।

सीआईईएल एचआर के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि युद्ध में तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के कारण तकनीकी विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ी है। रडार, आरएफ और सुरक्षित संचार जैसी बुनियादी क्षमताओं के साथ एयरस्पेस क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र अब उच्च-कौशल और विश्वसनीय रोजगार का प्रमुख स्रोत बनता जा रहा है।

अनअकैडमी ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगी

- कंपनी देशभर में लगभग दो दर्जन ट्यूशन सेंटर बेचेगी

नई दिल्ली । अनअकैडमी के मुख्य कार्यकारी और सह-संस्थापक गौरव मुंजाल अब कंपनी के भौतिक ट्यूशन कारोबार से बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं। कंपनी अपने मुख्य ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर फिर से ध्यान केंद्रित करेगी। भाषा सीखने वाली ऐप एयरलर्न को अलग करने की योजना को रोककर इसे अनअकैडमी के डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ने का फैसला लिया गया है, ताकि सीखने का अनुभव एकीकृत रहे। अनअकैडमी देशभर में लगभग दो दर्जन ट्यूशन सेंटर बेचकर उन्हें पूरी तरह से फ्रैंचाइजी आधारित मॉडल में बदलने की योजना बना रही है। कंपनी ने इन केंद्रों को लगभग 80 करोड़ रुपये में बेचने के लिए आकाश, फिजिक्सवाला और वेदांतु जैसी एडटेक कंपनियों से बातचीत की, लेकिन अभी तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला। पिछले तीन वर्षों में कंपनी का राजस्व 1,044 करोड़ रुपये से घटकर 820 करोड़ रुपये हो गया है। निवेशकों से कुल 88 करोड़ डॉलर जुटाए गए हैं। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, अनअकैडमी की मुश्किलें मुख्य रूप से क्रियान्वयन से जुड़ी हैं, न कि एडटेक उद्योग की व्यापक कमजोरी से।

यूएस फेड ने किया ऐलान, ब्याज दरों में नहीं होगा कोई बदलाव

ब्याज दर 3.5 से 3.75 फीसदी के दायरे में ही बनाए रखने का किया फैसला

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे ताकतवर केंद्रीय बैंक, अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर बाज़ार की धड़कनें तेज कर दी हैं। चेयरमैन जेरोम पॉवेल की अगुवाई में हुई दो दिन की अहम बैठक के बाद यूएस फेड ने ऐलान किया कि ब्याज दरों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होगा। फेड ने ब्याज दरों को 3.5 फीसदी से 3.75 फीसदी के दायरे में ही बनाए रखने का फैसला किया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) ने साफ कहा कि यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है। महंगाई की चाल, नौकरियों का हाल और पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था की सेहत को देखने के बाद ही फेड ने दरें स्थिर रखने का फैसला किया। हालांकि, बाजार में पहले से ही यह उम्मीद थी कि इस बार फेड कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा, लेकिन ट्रंप प्रशासन की ओर से ब्याज दरें घटाने के दबाव की खबरों ने इस फैसले को और ज्यादा चर्चा में ला दिया। इससे पहले दिसंबर 2025 की बैठक में फेड ने बड़ा कदम उठाया था।

भारतीय टीम के लिए टी20 विश्व जीतना इतना भी आसान नहीं रहेगा

कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतयी क्रिकेट टीम अगले माह अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इसे इतना आसान नहीं मानते हैं। भारतीय टीम अभी टी20 में नंबर स्थान पर है और उसने लगातार अपने मैच जीते हैं। वहीं रोहित ने कहा कि विश्वकप जीत की राह में कई कठिनाइयां हैं जो नजर नहीं आ रही हैं। इसमें टीम के लिए विजयी संयोजन बनाना सबसे कठिन काम है।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि स्पिन आक्रमण को लेकर हमें ध्यान रखना होगा। उनके अनुसार, कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे मुश्किल सवाल यह होगा कि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे दो दिग्गज स्पिनरों को एक साथ खिलाया जाए या पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ वरुण को रखा जाए। भारत पिछले एक साल से स्पिन गेंदबाजों पर काफी निर्भर रहा है, जिसमें कुलदीप, वरुण और अक्षर पटेल ने कई मैचों का रुख पलटा है।

रोहित के मुताबिक, अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और वरुण दोनों को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो उसे केवल दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पड़ेगा। टी20 क्रिकेट में यह एक बड़ा जोखिम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि कप्तान और कोच किस तरह का संतुलन चाहते हैं

रोहित ने टूर्नामेंट के समय को भी एक अहम चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि फरवरी-मार्च के दौरान, जब सर्दियों से वसंत का मौसम आता है, भारत के ज्यादातर मैदानों पर शाम के मैचों में भारी ओस देखने को मिलती है। ओस की वजह से स्पिनरों के लिए गेंद पकड़ना और नियंत्रण बनाए रखना कठिन हो जाता है, जिससे टीम की रणनीति प्रभावित हो सकती है।

साथ ही कहा कि अगर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती तीनों को एक साथ ही रखा जाता है तो टीम संतुलन बिगड़ सकता है क्योंक अर्शदीप सिंह जैसे विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को बाहर करना पड़ेगा। ऐसे में भारतीय टीम को जसप्रीत बुमराह के साथ हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों को लगाना होगा। रोहित के अनुसार, यह फैसला आसान नहीं होगा

क्योंकि हर खिलाड़ी अपनी जगह पर विश्व-स्तरीय है।साथ ही कहा कि वर्तमान हालतों में भारतीय टीम के लिए एक तय अंतिम ग्यारह बना दी जाये तो उसमें भी नुकसान है। उसकी जगह हालातों के अनुसार अंतिम ग्यारह तय करनी होगी।

गंभीर को कोच पद से हटाने की कोई योजना नहीं: बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 सीरीज के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर को हटाये जाने की सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि देश में क्रिकेट को लेकर जिस प्रकार की दीवानगी रहती है। उसमें सभी अपने को विशेषज्ञ समझते हैं। साथ ही कहा कि सभी को अपनी राय देने का अधिकार है पर इस मामले में बोर्ड किसी भी प्रकार का फैसला अपने विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट के आधार पर लेता है।

उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई में एक क्रिकेट कमेटी है, जिसमें पूर्व क्रिकेटर शामिल रहते हैं। वे पूरी जिम्मेदारी के साथ सभी फैसले लेते है। वहीं टीम चयन के लिए हमारे पास पांच चयनकर्ता होते हैं, जो योग्यता के बाद इस पद तक पहुंचते हैं। ये ही लोग चयन से जुड़े फैसले लेते हैं। हर फैसले पर कोई न कोई अलग राय हो सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम इन सभी रायों को सुनते और समझते हैं पर अंतिम फैसला हमेशा क्रिकेट कमेटी और चयनकर्ता ही लेते है।'

वहीं हाल में पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा था कि अगर भारतीय टीम टी20 विश्वकप कप 2026 में असफल रहती है तो बीसीसीआई को कठिन फैसला लेते हुए गंभीर को कोच पद से हटा देना चाहिए।' गौरतलब है कि गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में ही अब तक सफल रही है। वहीं टेस्ट में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह दो घरेलू सीरीज हारी है। इसके अलावा एकदिवसीय में भी टीम कुछ विशेष नहीं कर पायी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में सैमसन की जगह ईशान किशन को शामिल करें : पार्थिव

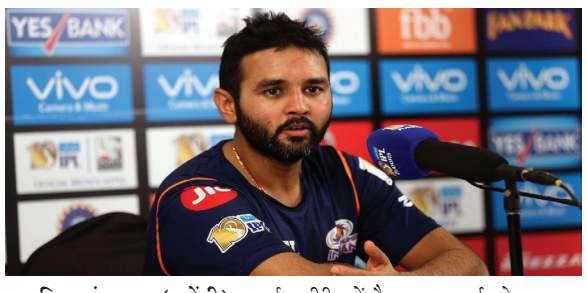

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मैच में खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल कर पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। पार्थिव ने टीम प्रबंधन को सलाह दी है उस इस मैच में सैमसन की जगह पर ईशान को शामिल करना ही फायदेमंद होगा। सैमसन को बाहर करने की मांग इसलिए हो रही है क्योंकि वह पहले ही तीनों मैचों में विफल रहे है। चार मुकाबलों में पारी की शुरुआत करते हुए सैमसन केवल 39 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में प्रबंधन के ऊपर अंतिम टी20 में सैमसन की जगह पर युवा ईशान किशन को पारी की शुरुआत के लिए भेजे जाने का दबाव है। ईशान ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर टीम में वापसी की है। वहीं . इस सीरीज में सैमसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब तक चार मैचों में वह केवल 10, 6, 0 और 24 रन बना पाये हैं। पार्थिव का मानना है कि अंतिम मैच में ईशान को अवसर देने से अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप 2026 से पहले उनके फार्म का भी अंदाज हो जाएगा। .

पार्थिव ने कहा कि अगर पांचवे मैच में ईशान अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो उन्हें विश्वकप में मुख्य विकेटकीपर बनाया जा सकता है। ईशान की दो साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। वहीं इस सीरीज में अब तक ईशान ने तीन मैच खेले हैं, जिनमें उनके स्कोर 8, 76 और 28 रन बनाये हैं। पार्थिव पटेल ने कहा, 'अगर मुझे फैसला लेना होता तो मैं अंतिम मैच में सैमसन की जगह ईशान को शामिल करता। अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए ईशान को मुख्य विकेटकीपर बनाना है, तो पांचवें टी20 और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्हें ही विकेटकीपिंग देनी होगी।'

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, शिवम के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। सूर्यकुमार ने हालांकि शिवम दुबे की पारी की सराहना की है। शिवम ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों में ही 65 रन बनाकर भारतीय टीम को जीत दिलाने का पूरा प्रयास किया पर बदकिस्मती से वह रन आउट हो गये जिसये ये मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया। सूर्या ने कहा कि अगर कोई बल्लेबाज शिवम के साथ होता तो इस मैच का परिणाम कुछ और होता। भारतीय टीम ने चौथे टी20 में छह बल्लेबाजों को उतारा पर इसके बाद भी

उसे लाभ नहीं मिला। सूर्यकुमारी ने कहा कि हमने छह बल्लेबाज और पांच गेंदबाज इसलिए उतारे थे जिससे पल चल सके कि टी20 विश्व कप से पहले हम कहां पर हैं। शिवम के अर्धशतक के बाद भी इस मैच में भारतीय टीम हारी है। इस हार से अब पांच मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे है। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि ओस के बाद भी अगर कोई बल्लेबाज शिवम का साथ देतो तो मैच बच सकता था। हम 50 रनों से हार गए, लेकिन कोई बात नहीं.जैसा कि मैंने कहा, इस तरह लक्ष्य का पीछा करते हुए एक-दो साझेदारियां निर्णायक साबित हो सकती थीं।' कप्तान ने कहा कि हमारे पास कुछ अन्य खिलाड़ियों को भी अंतिम एकादश में शामिल करने का अवसर था पर हम उन खिलाड़ियों को अवसर देना चाहते थे जो टी20 विश्वकप टीम का हिस्सा हैं। हम पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम यह देखना चाहते थे कि लक्ष्य का पीछा करते हुए अगर विकेट गिरते हैं तो टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।'

अभी फिलहाल संन्यास नहीं लेंगे केएल राहुल

नई दिल्ली ।भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है जब समय सही आयेगा वह खेल को अलविदा कहने में देर नहीं करेंगे।33 साल के राहुल ने कहा कि अभी वह समय नहीं आया है और जब आयेगा तो वह फैसला लेने में देर नहीं करेंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि खेल के अलावा भी जीवन में काफी कुछ है। इसलिए संन्यास का फैसला लेना उनके लिए कठिन नहीं रहेगा।राहुल ने पीटरसन से कहा, 'मैंने एक समय संन्यास के बारे में भी सौचा था पर मुझे नहीं लगता कि इसका फैसला कठिन होगा।साथ ही कहा कि अगर आप अपने प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे नहीं टालेंगे।' राहुल ने कहा कि वह अपने को एक बड़ा स्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिसके कारण उनके लिए भविष्य में संन्यास का फैसला आसान रहेगा।उन्होंने कहा, ' वह शांति से संन्यास लेकर जीवन का आनंद लेना चाहते हैं।उनका मानना है कि परिवार भी साथ है, इसलिए बस वही करो जो अच्छा लगता हो।'राहुल ने कहा, 'हमारे देश और दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा पर जीवन में इससे आगे भी काफी कुछ है।मुझे लगता है कि मेरी ये सोच हमेशा से रही है पर जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह से ही बदल गया है।यही मेरी सोच है।' वह अपनी फिटनेस को लेकर भी संघर्ष करते रहे हैं।जिसके कारण उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है।

मोइन ने यॉर्कशायर की ओर घरेलू क्रिकेट खेलेंगे संन्यास से वापसी की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली अब एक बार फिर घरेलू क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। मोइन ने घरेलू क्रिकेट से संन्यास के अपने फैसले को बदलते हुए कहा है कि इस सत्र के लिए काउंटी क्लब यॉर्कशायर से अनुबंध किया है। ये अनुबंध अगले एक साल तक बढ़ाया जा सकता है। यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने भी मोईन के साथ करार की पुष्टि की है। क्लब ने अपने एक बयान में कहा, मैं वाइटैलिटी ब्लास्ट टूर्नामेंट के लिए यॉर्कशायर में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बहुत बड़ा क्लब है जिसका इतिहास बहुत शानदार रहा है पर जो बात मुझे सबसे ज्यादा अच्छी लग रही है वह टीम का लगातार आगे बढ़ना है। टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस क्लब की ओर से खेलना उनके लिए खुशी की बात होगी। साथ ही कहा कि मुझे

हमेशा हेडिंग्ले में खेलना पसंद रहा है। विकेट, माहौल और समर्थक इसे एक खास जगह बनाते हैं। यह एक नई चुनौती जैसा लगता है और मैं इसके लिए भूखा हूं। मैं अपना अनुभव लाना चाहता हूं, अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं और यॉर्कशायर को मुकाबला करने में सहायता करना चाहता हूं। यॉर्कशायर ने अभी तक ब्लास्ट का खिताब नहीं जीता है और मेरा प्रयास इस बार टीम को जीत में सहायता करना है पिछले साल नॉर्थ ग्रुप की नौ टीमों में से यॉर्कशायर आठवें स्थान पर रही थी। वहीं यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा, मोईन एक विश्व-स्तरीय ऑलराउंडर हैं उनका प्रभाव मैदान पर काफी ज्यादा होता है। उनका अनुभव और नेतृत्व बहुत कीमती होगी क्योंकि हम अपनी टी20 टीम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उनके आने से टीम के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

हर्षित हर मैच के साथ बेहतर हो रहे : कोच कोच श्रवण

नई दिल्ली ।तेज गेंदबाज हर्षित राणा के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने उनकी जमकर प्रशंसा की है।कोच ने कहा है कि हर्षित हर मैच के साथ ही बेहतर होते जा रहे हैं।साथ ही कहा कि जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहा है उससे उन्हें काफी खुशी हुई है।कोच के अनुसार हर्षित गेंदबाज ही नहीं बल्लेबाज़ी में भी निरंतर बेहतर हो रहे हैं।श्रवण हर्षित राणा के साथ ही अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ईशांत शर्मा के भी कोच रहे हैं।राणा ने नई गेंद से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभावित किया है।इस युवा तेज गेंदबाज ने एकदिवसीय के साथ ही टी20 में भी अच्छा खेला है। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में हर्षित ने 6 विकेट लिए थे। वहीं टी20 सीरीज़ में दो मैचों में उन्होंने 2 विकेट लिए थे।श्रवण ने कहा, राणा हर दिन के साथ ही बेहतर हो रहा है।उसे जितना अधिक खेलने को मिलेगा उतना ही बेहतर होता जाएगा।राणा ने अब तक 14 एकदिवसीय मैचों में 26 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.38 रहा है।उनकी इकॉनमी रेट 6.21 रही है।इसके अलावा 8 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 9 विकेट, और 2 टेस्ट में 4 विकेट लिए हैं।राणा बड़े शॉट लगाने के कारण भी नजरों में आये हैं।हर्षित ने वह बड़े-बड़े छक्के लगाने में सक्षम हैं। एकदिवसीय में नंबर आठ पर खेलते हुए सात पारियों में इस क्रिकेटर ने 124 रन, औसत 24.80 और 121 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ एक अर्धशतक लगाया है।टी20 में भी उन्होंने दो पारियों में 48 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 35 रन रहा। इस क्रिकेटर ने सीरीज़ के पहले एकदिवसीय में विराट के आउट होने के बाद 23 गेंदों में 29 रन बनाकर पारी को संभाला।कोच के अनुसार हर्षित को सफल ऑल-राउंडर बनने के लिए अपने को साबित करना होगा।साथ ही कहा कि महान ऑलराउंडर कपिल देव शुरुआत में अंतिम स्थान पर उतरते थे पर अपनी प्रदर्शन से वह शीर्ष पर पहुंचे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है।

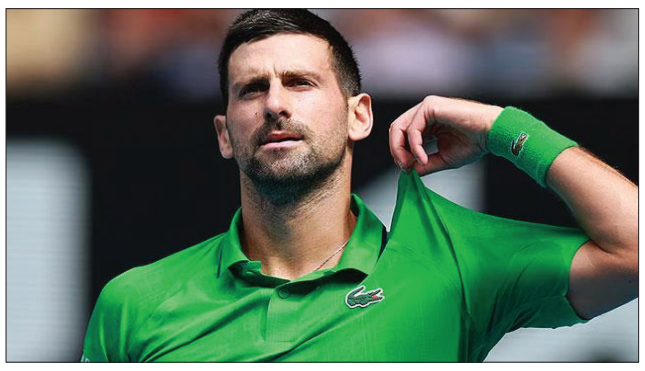

जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था।' जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है।न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया।याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।बृज भूषण के वकील द्वारा मुख्य वकील की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए स्थगन का अनुरोध किए जाने पर अदालत ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता द्वारा इस मामले पर अभी तक बहस क्यों नहीं की गई है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, 'आप इस पर बहस क्यों नहीं कर रहे हैं? आपने याचिका दाखिल की है, लेकिन इस पर एक बार भी बहस नहीं हुई है।' इस पर बृज भूषण के वकील ने भरोसा दिलाया कि अगली तारीख पर याचिका पर बहस की जाएगी।अदालत ने साफ कहा, 'कोई रोक नहीं है।यह स्पष्ट किया जाता है कि निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई स्थगन नहीं है।' सिंह ने वर्ष 2024 में उच्च न्यायालय का रुख करते हुए कहा था कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है।अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया कि जांच पक्षपातपूर्ण तरीके से की गई और केवल पीड़ितों के बयानों को ही आधार बनाया गया, जो उनसे बदला लेना चाहते थे।उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों की सच्चाई की जांच किए बिना ही निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दी गई। निचली अदालत ने 21 मई, 2024 को यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए।इस मामले में सह-आरोपी और WFI के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया था। दिल्ली पुलिस ने मई 2023 में उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सिंह के खिलाफ FIR दर्ज की थी।

विराट के साथ खेले अजितेश आजकल अंपायरिंग कर रहे

नवी मुम्बई ।पूर्व क्रिकेटर अजितेश अर्गल आजकल महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में अंपायरिंग कर रहे हैं।अजितेश ने अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।वह साल 2008 में विराट कोहली की कप्तानी वाली अंडर-19 विश्वकप विजेता टीम में शामिल रहे थे।अजितेश ने तब भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।तब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में अजितेश ने घातक गेंदबाजी करते हुए दो बड़े विकेट झटके थे।उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला था।उस समय यह माना जा रहा था कि वह शीघ्र ही भारतीय सीनियर टीम में जगह बनाएंगे पर ऐसा हुआ नहीं। वर्ल्ड कप की सफलता के बाद अजितेश को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने अपनी टीम में शामिल किया पर एक भी मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली।घरेलू क्रिकेट में उन्होंने बड़ौदा की ओर से खेला था।उन्होंने अपने करियर में कुल 10 फर्स्ट क्लास, 6 टी-20 और 3 लिस्ट-ए मैच खेले, जिनमें उन्होंने 29 विकेट लिए।उन्होंने अपना अंतिम पेशेवर मैच साल 2015 में खेला था।क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अजितेश आयकर अधिकारी के तौर पर काम करने लगे पर अधिक समय खेल से दूर नहीं रह पाये।साल 2023 में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा पास की और अब वे एक बार फिर रेफरी और अंपायर की भूमिका में दिख रह हैं। इस डब्यूपीएल सत्र में उन्होंने गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स के मैचों में अंपायरिंक की है।

एलिस पेरी ने क्रिकेट ही नहीं फुटबॉल में भी बनाये हैं रिकार्ड

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एलिस पेरी एक शानदार क्रिकेटर के साथ ही एक अच्छी फुटबॉलर भी रही हैं।एलिस ने साल 2013 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर क्रिकेट के अलावा फुटबॉल में खेला है।एलिस ने फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में भी गोल दागा था।यह गोल उन्होंने 2011 फीफा वर्ल्ड कप में मैटिल्डास की स्वीडन के खिलाफ 1-3 की हार के दौरान किया था। फुटबॉल में साल 2011 फीफा महिला विश्व कप में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रह है।, तब इस खिलाड़ी ने टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। तब ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा पर टीम की ओर से एकमात्र गोल पेरी ने किया था।वहीं साल 2014 में पेरी ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम से संन्यास ले लिया पर उनके खेल खिलाड़ी आज तक याद रखते हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि फीफा में उनके नॉकआउट गोल पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से ज्यादा हैं। . उन्होंने वर्ल्ड कप (2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) के नॉकआउट स्टेज में एक भी गोल नहीं किया है।वहीं पेरी ने ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए 2010, 2012, 2014, 2018, 2020, 2023 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था।

ओलंपिक 2036 दावेदारी : एक्वाटिक्स, नौकायन, साइकिलिंग पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक 2036 की दावेदारी मजबूत करने के लिये पदक रणनीति में भी बदलाव किये जा रहे हैं ताकि एक्वाटिक्स और साइकिलिंग जैसे खेलों में भी मजबूती से उपस्थिति दर्ज कराई जा सके जिनमें आम तौर पर प्रदर्शन औसत रहता है । इन दोनों खेलों में सौ से अधिक ओलंपिक पदक दाव पर लगे होते हैं लेकिन भारत की झोली खाली ही रहती है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, 'अगर हमारे देश में ओलंपिक होते हैं और हमारे खिलाड़ी छह पदक लेकर 71वें स्थान पर रहते हैं तो क्या यह अच्छा लगेगा, जैसा पेरिस (2024) में हुआ था। हमें इस पर तुरंत गौर करना होगा।' सूत्र ने कहा, 'मेजबान देश ओलंपिक में अपना प्रदर्शन बेहतर करने पर जोर देते हैं ताकि अपने देश में होने वाले खेलों में मैदान पर भी उनका परचम लहराए।'

चीन ने 2008 बीजिंग ओलंपिक से ऐसे खेलों में अपने प्रदर्शन में सुधार किया जिसमें अतीत में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इनमें मुक्केबाजी, केनोइंग और तीरंदाजी शामिल है। सूत्र ने कहा, 'भारत अपने खेलों के सफर में एक अहम मोड़ पर है और चुनौती यह पक्का करना है कि हम यहां से ऊपर उठें, नीचे न गिरे। बुनियादी ढांचा चिंता का विषय नहीं है, यह सबसे आसान काम है और शायद सबसे अधिक दिखने वाला भी, इसीलिए इसके प्रति जुनून है। बड़ी चिंता एक खेल देश के रूप में हमारे दर्जे की है।' इसलिए अब फोकस स्कूलों पर होगा जहां से 2036 ओलंपिक के भावी सितारे निकलेंगे।

उन खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जिनमें भारत का प्रदर्शन खास नहीं रहा है लेकिन जिनसे पदक मिल सकते हैं। इसके लिए एक्वाटिक्स, नौकायन और साइकिलिंग प्राथमिकता में हैं। एक्वाटिक्स में तैराकी, गोताखोरी, वाटरपोलो, कलात्मक तैयारी और ओपन वॉटर तैराकी शामिल है। इनमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में 36 स्पर्धाओं के 350 से अधिक कुल पदकों में से 55 दाव पर होंगे।

नौकायन में 15 स्पर्धाओं में 45 और साइकिलिंग में 22 स्पर्धाओं में 66 पदक दाव पर होंगे। सूत्र ने कहा, 'हम उन खेलों पर फोकस करना चाहते हैं जिनमें अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसके यह मायने नहीं हैं कि हम मुक्केबाजी, कुश्ती या निशानेबाजी की उपेक्षा करने जा रहे हैं। लेकिन अधिक पदक देने वाले खेलों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।'

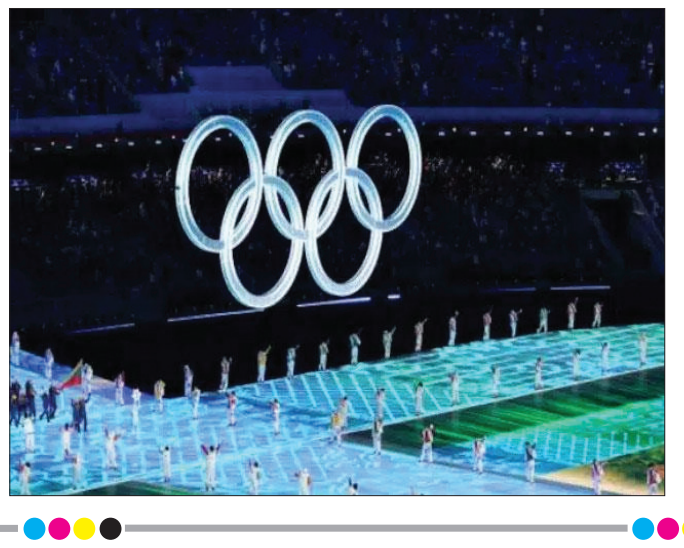

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर गोलीबारी, एक घायल

मेक्सिको , एजेंसी। अमेरिका और मेक्सिको की सीमा के पास एरिवाका, एरिज़ोना में बॉर्डर पेट्रोल से जुड़ी गोलीबारी में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ। पीमा काउंटी शेरिफ विभाग ने बताया कि घटना के बाद स्न्नछ्ल और अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के साथ मिलकर जांच की जा रही है। घायल व्यक्ति को स्थानीय हेलिकॉप्टर के माध्यम से नजदीकी ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया। घटना के बाद घायल को हिरासत में लिया गया है।

बेलग्रेड में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर कड़ा रुख, हजारों ने प्रदर्शन किया

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी में हजारों लोग इकट्ठा हुए और विश्वविद्यालयों पर लग रहे सरकारी दबाव के खिलाफ आवाज उठाई। 'ज्ञान ही शक्ति है' के नाम से आयोजित शांतिपूर्ण प्रदर्शन में छात्रों और शिक्षकों के समर्थन में लोगों ने भाग लिया, जिन्हें विरोध प्रदर्शन में भाग लेने पर नौकरी या पद से हटाया गया था। छात्र विरोध की शुरुआत नवंबर 2024 में नोवी सैड में रेलवे स्टेशन के गिरने के हादसे से हुई थी, जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी। सरकार पर छात्रों और शिक्षकों पर दबाव बनाने के आरोप लगे हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला में दूतावास फिर खोलने के लिए उठाए कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस को सूचित किया है कि वे बंद हुए अमेरिकी दूतावास को संभावित रूप से फिर से खोलने के लिए पहले कदम उठा रहे हैं। अस्थायी कर्मचारियों को दूतावास की चयनित कूटनीतिक गतिविधियों के लिए भेजा जाएगा। वर्तमान दूतावास परिसर, जो मार्च 2019 में बंद किया गया था, उसे मानक के अनुसार तैयार किया जाएगा।

इस्राइल ने वेस्ट बैंक में इतालवी अधिकारियों पर हुए हथियार की कार्रवाई की जांच का वादा किया

येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने वेस्ट बैंक में दो इतालवी सुरक्षा अधिकारियों को स्वचालित हथियार के जरिए रोके जाने के मामले की जांच का वादा किया है। इस्राइल के इटली दूत जोनाथन पेल्ड ने इतालवी विदेश मंत्री की मांग पर रोम में यह आश्वासन दिया। इतालवी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें डिप्लोमेटिक वाहन होने के बावजूद रोका गया और हथियार दिखाया गया। इस्राइल ने कहा कि यह सेना की मानक प्रक्रिया के तहत किया गया था।

नाइजीरिया में तख्तापलट की साजिश में कई सैन्य अफसरों पर चलेगा केस

नाइजीरिया , एजेंसी। नाइजीरिया कई सैन्य अधिकारियों पर तख्तापलट साजिश के आरोप में मुकदमा चलाएगा। नाइजीरियाई रक्षा मुख्यालय ने बताया कि जांच पैनल की रिपोर्ट में राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की योजना के सबूत मिले हैं। बीते साल अक्तूबर में अनुशासनहीनता और सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कितनों पर मुकदमा चलेगा। फिलहाल अधिकारियों के नाम भी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

इंडोनेशिया में भूस्खलन में फंसे 23 सैनिकों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत में हुए भूस्खलन में फंसे 23 मरीन सैनिकों की मौत हो गई है। यह हादसा शनिवार को बांडुंग बारात क्षेत्र के पासिर लंगु गांव में भारी बारिश के बाद हुआ। सैनिक इंडोनेशिया–पापुआ न्यू गिनी सीमा पर तैनाती से पहले प्रशिक्षण अभ्यास में जुटे थे। आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, कुल मृतकों की संख्या 20 से बढ़कर 23 हो गई है, जबकि 42 लोग अब भी लापता हैं। लगभग 800 बचावकर्मी, सेना, पुलिस और नौ खोदाई मशीनें राहत कार्य में लगी हैं।

फिलीपीन में जहाज डूबने से 18 की मौत, कंपनी के अन्य जहाजों पर रोक

बेसिलान , एजेंसी। फिलीपीन में यात्री जहाज डूबने की घटना के बाद सरकार ने संबंधित कंपनी के अन्य जहाजों के संचालन पर अनिश्चितकालीन रोक लगा दी है। दक्षिणी बेसिलान प्रांत के पास एम/वी त्रिशा केरस्टिन–3 फेरी के डूबने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 316 यात्रियों को बचा लिया गया। अभी भी 10 लोग लापता हैं, इनमें से अधिकांश चालक दल के सदस्य हैं। नाव में 317 यात्री और 27 क्रू सवार थे। तटरक्षक बल और नौसेना गहराई में स्थित मलबे की तलाश कर रही है। सरकार ने जहाजों की समुद्री सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस -क्लाउड में बड़ा दांव

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट के 15 नए डेटा सेंटर को मंजूरी; भारत समेत दुनिया पर पड़ेगा असर

माउंट प्लेजेंट, विस्कॉन्सिन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने डाटा सेंटर नेटवर्क के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। विस्कॉन्सिन राज्य के माउंट प्लेजेंट गांव में पूर्व फॉक्सकॉन औद्योगिक स्थल के पास 15 नए डाटा सेंटरों की योजना को स्थानीय प्रशासन से सर्वसम्मत मंजूरी मिल गई है। यह फैसला केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत सहित उन सभी देशों पर पड़ेगा जहां माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक उपयोग होता है।

माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल व ओरेकल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियां इस समय एआई आधारित सेवाओं के लिए विशाल डाटा सेंटर तैयार करने की होड़ में हैं। इन केंद्रों में एनवीडिया चिप्स का इस्तेमाल कर बड़े जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित व संचालित किया जाता है। माउंट प्लेजेंट में अतिरिक्त डाटा सेंटर क्षमता माइक्रोसॉफ्ट को ओपनएआई व अन्य वैश्विक ग्राहकों से पहले से बुक किए गए राजस्व को औपचारिक रूप से मान्यता देने में मदद करेगी।

भारत में एआई स्टार्टअप्स, क्लाउड सेवाओं और डिजिटल गवर्नेंस से जुड़े उपयोगकर्ताओं के लिए यह विस्तार अप्रत्यक्ष रूप से सेवाओं की स्थिरता और स्केल को मजबूत करेगा। आधिकारिक दस्तावेजों के

मुताबिक प्रस्तावित डाटा सेंटर विकास परियोजनाओं का कुल करयोग्य मूल्य 13 अरब डॉलर से अधिक है। यह आंकड़ा संकेत देता है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर अब सिर्फ तकनीकी जरूरत नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति बन चुका है।

परियोजना का स्वरूप और तकनीकी महत्व

माइक्रोसॉफ्ट का नया विस्तार उसके मौजूदा डेटा सेंटर परिसर के उत्तर-पश्चिम में स्थित दो भूखंडों पर प्रस्तावित है। बड़े भूखंड के लिए कंपनी ने 2023 और 2024 में गांव और निजी भूमि मालिकों से जमीन खरीदी। दोनों योजनाओं में लगभग 9 मिलियन वर्ग फुट का निर्माण क्षेत्र और तीन सबस्टेशन शामिल हैं, जो उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

भारत के लिए क्यों अहम है यह खबर

भारत में माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सेवाएं, एआई टूल्स और एंटरप्राइज सॉल्यूशंस तेजी से अपनाए जा रहे हैं। अमेरिका में डेटा सेंटर क्षमता का विस्तार वैश्विक नेटवर्क को मजबूत करता है, जिससे भारतीय कंपनियों, सरकारी परियोजनाओं और स्टार्टअप्स को अधिक भरोसेमंद और स्केलेबल डिजिटल सेवाएं मिल सकती हैं। यही वजह है कि माइक्रोसॉफ्ट की हर बड़ी गतिविधि पर भारत सहित दुनिया भर की नजर रहती है।

भारत जैसे उभरते डिजिटल बाजारों में भी इसी तरह के निवेश मॉडल पर नजर रखी जा रही है। दुनिया भर में डाटा सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थान खोजना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। भारी ऊर्जा जरूरतों के कारण कई बार यूटिलिटी कंपनियां आवश्यक सप्लाई देने में असमर्थ होती हैं। साथ ही, स्थानीय समुदायों में पर्यावरण और संसाधनों को लेकर विरोध भी बढ़ रहा है।

फॉक्सकॉन के अनुभव से सीखा सबक

माउंट प्लेजेंट का यह इलाका पहले भी वैश्विक सुर्खियों में रह चुका है। साल 2017 में फॉक्सकॉन ने यहां 10 अरब डॉलर की फैक्ट्री और 13,000 नौकरियों का वादा किया था, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी समर्थन दिया था। इसके लिए गांव ने जमीन खरीदी और राज्य के करदाताओं के पैसे से बुनियादी ढांचा तैयार किया गया। लेकिन योजना पूरी तरह साकार नहीं हो सकी। 2023 तक फॉक्सकॉन ने पूरे विस्कॉन्सिन में केवल 1,000 लोगों को रोजगार दिया और गांव पर 250 मिलियन डॉलर से अधिक का वित्तीय बोझ आ गया। इसी पृष्ठभूमि में माइक्रोसॉफ्ट की परियोजना को अधिक यथार्थवादी और स्थायी निवेश के रूप में देखा जा रहा है।

अदियाला जेल में बड़ी बीमारी से जूझ रहे हैं इमरान खान,

पीटीआई बोली– इलाज मिले और परिजनों से मिलने दें

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि इमरान खान की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर इस मामले में गहरी चिंता जताई है।

क्या है बीमारी? : पीटीआई के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि इमरान खान की दाहिनी आंख में 'सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन' की समस्या है। यह एक बहुत ही गंभीर स्थिति है जिसमें आंख की नस में खतरनाक ब्लॉकेज हो जाता है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर इसका तुरंत और सही तरीके से इलाज नहीं हुआ, तो उनकी रोशनी हमेशा के लिए खत्म हो सकती है।

पार्टी के आरोप : पार्टी ने आरोप लगाया है कि जेल अधिकारी इस गंभीर बीमारी को नजरअंदाज कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बीमारी के इलाज के लिए खास ऑपरेशन थिएटर और आधुनिक सुविधाओं की जरूरत है। इसके बावजूद जेल प्रशासन उन्हें अदियाला जेल के अंदर ही अंदर इलाज करने पर जोर दे रहे थे। पीटीआई ने इसे लापरवाही भरा रवैया बताया है। पार्टी का कहना है कि इमरान खान की सेहत और नजर

दोनों बड़े खतरे में हैं।

बयान में यह भी कहा गया कि इमरान खान को अक्टूबर 2024 के बाद से उनके निजी डॉक्टर से मिलने नहीं दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद भी उनकी मेडिकल जांच नहीं कराई गई। पार्टी ने बताया कि नियमित जांच की मांग वाली एक याचिका अगस्त 2025 से लंबित है। पीटीआई ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन और राजनीतिक बदला बताया है।

अस्पताल ने जाहिर की चिंता : इमरान खान के बनाए शौकत खानम अस्पताल ने भी उनकी सेहत पर चिंता जाहिर की है। अस्पताल ने मांग की है कि उनकी मेडिकल टीम को इमरान खान की जांच करने की अनुमति दी जाए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वे उनकी भलाई के लिए उनकी देखभाल में शामिल होना चाहते हैं।

क्या बोला परिवार? : दूसरी ओर, इमरान खान की बहनों ने इस खबर की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए जेल के बाहर प्रदर्शन किया। अलीमा खानम और नोरीन खानम ने आरोप लगाया कि यह खबर जानबूझकर किसी एजेंसी ने लीक की है ताकि डर का माहौल बनाया जा सके।

दो संघीय अधिकारियों ने गोलियां चलाईं– कांग्रेस से बोला डीएचएस

वाशिंगटन, एजेंसी। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा के एक अधिकारी ने मंगलवार को कांग्रेस को भेजे गए एक नोटिस में बताया कि मिनियापोलिस में आईसीयू नर्स एलेक्स प्रेटी की मौत के मामले में दो संघीय अधिकारियों ने गोलीबारी की थी। कांग्रेस को भेजी गई एक सूचना के अनुसार, अधिकारियों ने प्रेटी को हिरासत में लेने की कोशिश की और उसने विरोध किया, जिसके कारण हाथापाई हुई। अधिकारी ने बताया कि हाथापाई के दौरान, सीमा गश्ती दल के एक एजेंट ने कई बार चिल्लाकर कहा, 'उसके पास बंदूक है!'

इस नोटिस में कहा गया है कि बॉर्डर पेट्रोल अधिकारी और सीबीपी अधिकारी दोनों ने ग्लॉक पिस्तौल से गोली चलाई। नोटिस में कहा गया है कि सीबीपी के व्यावसायिक उत्तरदायित्व कार्यालय के जांचकर्ताओं ने बॉडी-वियर कैमरा फुटेज और एजेंसी के दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर विश्लेषण किया। कानून के अनुसार, एजेंसी को सीबीपी हिरासत में हुई मौतों के बारे में 72 घंटों के भीतर संबंधित कांग्रेस समितियों को सूचित करना अनिवार्य है। यह अधिसूचना राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से प्रेटी की मौत के बाद मिनेसोटा में अपने प्रशासन की आव्रजन संबंधी कार्रवाई की कमान सीमा प्रमुख टॉम होमन को सौंपने के एक दिन बाद आई है। एलेक्स प्रेटी की मौत इस महीने आव्रजन कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हाथों किसी व्यक्ति की हुई दूसरी घातक गोलीबारी थी।

बलूचिस्तान : सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 विद्रोही मारे गए

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक अभियान के दौरान दो विद्रोही समूहों से जुड़े दस लोग मारे गए, जबकि 10 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) आयेतजाद अहमद गोराया ने क्वेटा में पत्रकारों को बताया कि यह घटना सोमवार को पंजगुर शहर के पहाड़ी इलाकों में हुई।

ट्रम्प बोले- दूसरा नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा

नए समझौते पर सहमति का दबाव बनाया, एक जंगी बेड़ा पहले ही पहुंच चुका है

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ शिकंजा और कसने की तैयारी में है। अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा रहा है। मंगलवार को दिए एक भाषण में ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका का एक और नौसैनिक बेड़ा ईरान की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हालांकि, इसकी उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान को नए समझौते पर सहमत किया जा सकता है।

एक हफ्ते पहले भी ट्रम्प ने इसी तरह का बयान देते हुए कहा था कि एक बड़ा अमेरिकी सैन्य बेड़ा ईरान की तरफ बढ़ रहा है। बीबीसी फारसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी युद्धपोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' मिडिल ईस्ट में पहुंच चुका है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक माना जाता है।

अमेरिका ने ईरान के आगे 4 शर्तें रखी : ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहा कि ईरान के साथ स्थिति अभी बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, 'ईरान के पास वेनेजुएला से बड़ा आर्मडा (बेड़ा) है।' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के अधिकारी कई बार संपर्क कर चुके हैं और वे डील करना चाहते हैं। ट्रम्प का मानना है कि ईरान बात करने के लिए उत्सुक है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। अगर ईरान संपर्क करता है और शर्तें मानता है तो बात होगी। इस महीने अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने समझौते के लिए शर्तें बताई हैं-

ईरान के खिलाफ पहले कार्यकाल से आक्रामक रहे ट्रम्प : ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल (2017-2021) में ईरान के साथ 2015 के परमाणु समझौते संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) से अमेरिका को पूरी तरह बाहर निकाल लिया था। यह समझौता ओबामा प्रशासन के समय में जुलाई 2015 में हुआ था, जिसमें ईरान, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ शामिल थे। समझौते के तहत ईरान ने अपनी परमाणु गतिविधियों पर कई सख्त सीमाएं लगाई थीं, जैसेः

ईरान पर मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपनाते हैं ट्रम्प : इसके बदले में ईरान को अमेरिका और अन्य देशों ने लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में छूट दी, खासकर तेल निर्यात, बैंकिंग और व्यापार पर। इससे ईरान की अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ था। ट्रम्प ने चुनाव प्रचार में ही इस समझौते को दुनिया का सबसे खराब समझौता कहा था। उनका कहना था कि यह समझौता ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को सिर्फ टालता है, खत्म नहीं करता। ईरान ने समझौते में बुरे इरादे से हिस्सा लिया और पहले अपना परमाणु हथियार कार्यक्रम छिपाया था। उन्होंने कहा था कि समझौता ईरान के अन्य बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी ग्रुप्स को समर्थन, आतंकवाद और अमेरिकियों की हिरासत पर रोक नहीं लगाता।8 मई 2018 को ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में जॉइंट कॉम्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) से बाहर निकलने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने उन सभी प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया जो समझौते के तहत हटाए गए थे।

अमेरिकी महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला, युवक ने लिक्विड स्प्रे किया

मिनेसोटा, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक मीटिंग के दौरान महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला किया गया। मंगलवार को मिनियापोलिस में आयोजित कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने उन पर अज्ञात लिक्विड स्प्रे किया। हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। सांसद ओमर को कोई चोट नहीं आई। रॉयटर्स के मुताबिक, घटना के वक्त इल्हान ओमर मंच से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट एजेंसी को खत्म करने की मांग कर रही थीं। उसी दौरान एक व्यक्ति मंच की ओर दौड़ा और सिरिंज से गहरे रंग का लिक्विड उन पर छिड़क दिया। हमलावर को थर्ड-डिग्री

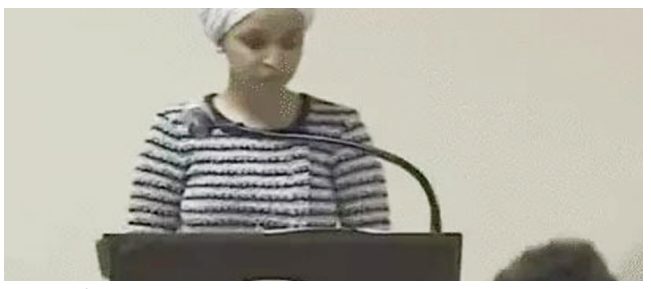

असॉल्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि तरल पदार्थ क्या था।

यह पूरी घटना सी-एसपीएएन के वीडियो में रिकॉर्ड हुई। वीडियो में देखा गया कि हमलावर को तुरंत जमीन पर गिराकर काबू में कर लिया गया, जबकि दर्शक सदमे में आ गए। हमले से कुछ सेकंड पहले ओमर कह रही थीं कि आईसीई को सुधारा नहीं जा सकता और इसे पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम के इस्तीफे की भी मांग की थी। हमले के बाद ओमर ने समर्थकों से कहा कि वह ठीक हैं। कुछ लोगों ने दावा किया कि तरल से बदबू आ रही थी और मेडिकल जांच करानी चाहिए। इसके बावजूद ओमर मंच पर लौटीं और कहा, 'हम मिनेसोटा स्ट्रॉन्ग हैं और ऐसे लोगों से डरने वाले नहीं हैं।'

इल्हान ओमर सोमाली मूल की अमेरिकी नागरिक हैं और 2018 में अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली मुस्लिम महिलाओं में शामिल रही हैं। वह इमिग्रेशन सुधार और गाजा युद्ध के मुद्दे पर इजराइल की आलोचना को लेकर पहले भी विवादों में रही हैं। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भी मुखर आलोचक रही हैं, जिन्होंने हाल के महीनों में उन पर तीखे बयान दिए थे।

ट्रंप ने फिर राष्ट्रपति पद की दावेदारी के दिए संकेत, आयोवा रैली में बड़ा बयान; चुनाव धांधली के आरोप दोहराए

आयोवा , एजेंसी। अमेरिका में इस साल मध्यावधि चुनाव 2026 होने जा रहे हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अपने उस पुराने दावे को दोहराया कि 2020 का राष्ट्रपति चुनाव धोखाधड़ी वाला था। मध्यावधि चुनावों को लेकर ट्रंप चुनावी प्रचार में जुट गए हैं। ऐसे में आयोवा रैली में ट्रंप ने फिर से 'धांधली वाले चुनाव' का दावा दोहराया और समर्थकों में जोश भरने का काम किया। इतना ही नहीं उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति पद की दावेदारी के संकेत भी दिए हैं।

आयोवा के क्लाइव में मंच से भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बार फिर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का जिक्र किया और कहा कि हमारे यहां धांधली वाला चुनाव हुआ था। इसी के साथ उन्होंने किफायती आवास के मुद्दे पर अपने रिकॉर्ड का बचाव किया और नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आक्रामक रूप से प्रचार करने की योजना की रणनीति भी पेश की।

अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माया हुआ है। इस बीच आयोवा रैली में ट्रंप ने महंगाई और जीवन-यापन की लागत जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार की नीतियों का बचाव किया और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में जोरदार चुनाव प्रचार करने की बात कही। अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के कार्यकाल पर संवैधानिक सीमाओं के बावजूद पद पर एक और कार्यकाल की तलाश करने की संभावना का भी संकेत दिया। उन्होंने समर्थकों से पूछा,

'क्या हमें चौथी बार कोशिश करनी चाहिए?' बता दें कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक कोई भी व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकते है। ऐसे में ट्रंप का चौथी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के संकेत देश के अंदर नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर सकता है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप आने वाले महीनों में कई अहम राज्यों में चुनाव प्रचार करेंगे और पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रैलियां करेंगे। हाल ही में उन्होंने कहा था कि मैं बहुत ज्यादा चुनावी यात्राएं करने वाला हूं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी इतिहास में मध्यावधि चुनाव आमतौर पर सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनावों में मौजूदा राष्ट्रपतियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता है।'

इसके बावजूद ट्रंप पहले ही नॉर्थ कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन जैसे स्विंग स्टेट्स में चुनावी रैलियां कर चुके हैं, जिन्हें आगामी चुनावों में बेहद अहम माना जा रहा है। बता देंकि अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे, जिसमें प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों और सीनेट की 100 में से 35 सीटों पर मतदान होगा।

नेतन्याहू बोले-गाजा में अमेरिका की वजह से हमारे सैनिक मरे

बाइडेन पर हथियारों की सप्लाई रोकने का आरोप लगाया, कहा- अब अपनी हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की वजह से इजराइल के कई सैनिक मारे गए। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ गाजा जंग के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की सप्लाई रोक दी गई थी।

नेतन्याहू ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इजराइल के पास जरूरी गोला-बारूद खत्म हो गया था, इस वजह से कुछ सैनिकों की जान चली गई। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस वजह से कितने सैनिकों की मौत हुई। इजराइली पीएम ने सीधे तौर पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि यह हथियार रोक तब खत्म हुई जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बने।

उनके मुताबिक, ट्रम्प के राष्ट्रपति बनते ही इजराइल को फिर से हथियार मिलने लगे। नेतन्याहू ने कहा कि विदेशी सैन्य सहायता पर निर्भरता कम करने के लिए वे एक मजबूत और स्वतंत्र घरेलू हथियार इंडस्ट्री बनाएंगे।

अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम करना चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने कहा कि युद्ध में सैनिकों की मौत आम बात है, लेकिन साथ ही यह भी तर्क दिया कि कुछ मौतों को टाला जा सकता था। नेतन्याहू ने बताया कि गोला-बारूद की कमी के कारण सैनिकों को घरों में घुसकर लड़ना पड़ा और कई सैनिक मारे गए। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि उन्होंने फैसला किया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि अगले दशक के भीतर इजराइल अमेरिकी सहायता पर निर्भरता कम कर दे। नेतन्याहू ने इजराइल-अमेरिका संबंध को सहायता से साझेदारी में बदलने की बात कही, जिसमें इजराइल में विकास शामिल हो। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का सहयोग भारत और जर्मनी सहित अन्य सहयोगी देशों तक भी बढ़ाया जा सकता है। उनका लक्ष्य हथियार के क्षेत्र में अधिकतम स्वतंत्रता हासिल करना है, ताकि कभी भी हथियारों या गोला-बारूद की कमी न हो।

इजराइल को हर साल ?32,000 करोड़ की सहायता देता अमेरिका : वॉर पावर इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इजराइल को हर साल लगभग 3.8 अरब डॉलर (करीब 32,000 करोड़ रुपये) का सैन्य सहायता देता है। यह मुख्य रूप से फॉरेन मिलिट्री फाइनेंसिंग के तहत होता है, जिसमें 3.3 अरब डॉलर सामान्य हथियार खरीद के लिए और 500 मिलियन डॉलर मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए दिए जाते हैं।

यह सहायता 2016 में साइन हुए 10 साल के समझौते के तहत दी जाती है। यह 2019 से शुरू हुआ और 2028 तक चलेगा। इस एमओयू के तहत कुल 38 अरब डॉलर की सहायता का वादा किया गया था, जो हर साल बराबर किश्तों में मिलती है। यह समझौता ओबामा प्रशासन में हुआ था। अमेरिकी कांग्रेस हर साल इसे अप्रूव करती है। इसके अलावा अक्टूबर 2023 से गाजा युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने अतिरिक्त सहायता दी है। 2023-2025 तक कुल 21.7 अरब डॉलर से ज्यादा मिलिट्री एड दी गई है, जिसमें 2024 में 8.7 अरब डॉलर का स्पेशल पैकेज शामिल है।

2025 में भी सालाना 3.8 अरब डॉलर के आसपास जारी रही और ट्रम्प प्रशासन ने मार्च 2025 में इमरजेंसी अथॉरिटी से 4 अरब डॉलर की फास्ट-ट्रैक सहायता दी। कुल मिलाकर, अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 17-22 अरब डॉलर या उससे ज्यादा की सहायता दी जा चुकी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब पंजाब-हरियाणा सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मौके पर फायर ब्रिगेड मौजूद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर के प्रमुख 30 स्कूलों को मिली बम की धमकी के एक दिन बाद ही गुरुवार को पंजाब-हरियाणा सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया और पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। जानकारी अनुसार पंजाब-हरियाणा सचिवालय को 29 जनवरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे पहले बुधवार को शहर के 30 प्रमुख स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बरत रहीं हैं। सचिवालय को मिली धमकी के तुरंत बाद ही चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सचिवालय परिसर को खाली करवाया गया और गहन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। सचिवालय एक तरह से छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस के आला अधिकारी खुद भी मौके पर पहुंचे हैं और चप्पे-चप्पे पर तलाशी अभियान चलाया गया है। वैसे इस धमकी से पहले स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी को देखते हुए गहन जांच की गई थी, जिसमें धमकियों को अफवाह करार दिया गया था। बहरहाल लगातार मिल रही धमकियों के लिंग को खोजा जा रहा है और पता लगाया जा रहा है कि क्या इन तमाम धमकियों का कहीं कोई एक ही लिंक तो नहीं है।

आग का गोला बनी निजी बस, यात्रियों में दहशत और अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक प्राइवेट बस आग के गोला में तब्दील हो गई, जिससे उसमें सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। यह बस होसानगर से बेंगलुरु की ओर जा रही थी, तभी अचानक आग लग गई। गनीमत की बात यह रही कि समय रहते सभी यात्रियों को बस से उतार लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी अनुसार निजी बस में आग लगने का हादसा उस समय हुआ जब यात्री गहरी नींद में सोए हुए थे। अचानक बस के इंजन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। इस बस में कुल 36 यात्री सवार थे। चलती बस में आग तेजी भड़की लेकिन चालक ने सूझबूझ से काम लिया और बस को रोड के किनारे लगा दिया। आग लगी देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और वे खिड़कियों और दरवाजों से बाहर निकलने लगे। इस अफरा-तफरी में कुछ यात्री घायल हो गए, लेकिन बड़ा हादसा टल गया। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले ही बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में करीब 10 यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। फिलहाल राहत की बात यह रही, कि हादसे में किसी की जान जाने की कोई खबर अब तक नहीं मिली है। आग के कारण यात्रियों का सामान और बैग्स जलकर राख हो गया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बहरहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सबरीमाला मंदिर सोना चोरी मामले में बड़ा खुलासा, रसायनों के जरिए गायब की गई सोने की परत

सबरीमाला (एजेंसी)। भगवान अयप्पा के प्रसिद्ध धाम सबरीमाला मंदिर में हुए कथित सोना चोरी मामले ने एक सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। जिसे अब तक ढांचागत चोरी या अंतरराष्ट्रीय गिरोह की बड़ी साजिश माना जा रहा था, वह वास्तव में रसायनों के जरिए अंजाम दी गई एक शातिर वैज्ञानिक ठगी निकली है। इसरो के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के वैज्ञानिकों द्वारा की गई हाई-टेक जांच में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि मंदिर के गर्भगृह के दरवाजों को बदला नहीं गया था, बल्कि उन पर चढ़ी सोने की बेशकीमती परत को रसायनों के माध्यम से निकाल लिया गया। बुधवार को केरल हाईकोर्ट में पेश की गई वैज्ञानिकों की रिपोर्ट ने उन पुरानी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि असली दरवाजों को हटाकर वहां पीतल या नकली चादरें लगा दी गई हैं। वैज्ञानिकों ने अपनी बारीकी जांच में पाया कि गर्भगृह के लकड़ी के फ्रेम और उन पर लगी तांबे की मूल शीट बिल्कुल वही हैं जो पहले थीं। हालांकि, इन तांबे की शीटों पर अब सोने की मात्रा लगभग शून्य हो गई है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस चोरी को बेहद शातिर तरीके से अंजाम दिया गया। चोरों ने पारे और विशेष खतरनाक रासायनिक घोलों का उपयोग कर तांबे की सतह से सोना खींच लिया, जिससे शीटों का रंग और उनकी रासायनिक बनावट बदल गई। यह खुलासा मंदिर प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी बनकर उभरा है। अब जांच की दिशा उन तकनीकी जानकारों और विशेषज्ञों की ओर मुड़ गई है, जिन्हें रसायनों के इस खतरनाक खेल की गहरी समझ है। इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और वहां मौजूद बहुमूल्य धातुओं के संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की हत्या के आरोपी को गोली मारी, मौत

मोहाली,(एजेंसी)। पंजाब के मौहाली में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई की 2020 में हुई हत्या के आरोपियों में से एक की गोली मारकर हत्या की है। घटना मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम गुरविंदर सिंह उर्फ लम्बड़ था। गुरविंदर अपनी पत्नी के साथ चार किलोग्राम अफीम बरामदगी के मामले की सुनवाई के लिए अदालत आया था। सुनवाई के बाद जब वह अपनी कार के पास पहुँचा, तब दो अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी ने अपनी शिकायत में बताया कि गुरविंदर को पहले से गोल्डी बराड़ से धमकियां मिल रही थीं। सोशल मीडिया पर एक अपुष्ट पोस्ट में गैंगस्टर गोल्डी बराड़, रोहित गोदारा और विक्की पहलवान ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए गुरविंदर की हत्या को उसके चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ की 2020 में हुई हत्या से जोड़ा। विदेश में रहने वाले गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल सिंह बराड़ को 2020 में चंडीगढ़ में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रूपनगर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नानक सिंह ने बताया कि गुरविंदर का आपराधिक रिकॉर्ड था और उसका नाम गुरलाल बराड़ हत्याकांड में भी सामने आया था।

मौसम की दोहरी मार: उत्तर में शीतलहर और कोहरे की मार, दक्षिण में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मौसम का मिजाज एक बार फिर तेजी से बदलने वाला है, जिसका व्यापक असर पहाड़ों से लेकर मैदानी और तटीय इलाकों तक देखने को मिलेगा। कहीं कड़ाके की ठंड लोगों को कंपकंपी छुड़ा रही है, तो कहीं लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने एक नया अलर्ट जारी किया है, जिसने आने वाले दिनों के लिए चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 29, 30 और 31 जनवरी को देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, घना कोहरा और आंधी-तूफान आने की प्रबल संभावना है।

इस मौसमी बदलाव का मुख्य कारण एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ को माना जा रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों-विशेषकर राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख-में मौसम अचानक करवट लेगा। 30 जनवरी की रात से यह विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देगा, जिससे कई राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलेंगी। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट आएगी, जिससे ठंड का प्रकोप बढ़ना तय है। मैदानी इलाकों, विशेषकर पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड में शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में 29 जनवरी को सुबह के समय कड़ाके की ठंड के साथ हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार में हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन कोहरे का कहर जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, बरेली, बहराइच और कुशीनगर समेत करीब 18 जिलों में रेड अलर्ट जैसी स्थिति रह सकती है, जहाँ विजिबिलिटी (दृश्यता) बेहद कम होने से यातायात प्रभावित होगा। राजस्थान में 31 जनवरी और 1 फरवरी को बारिश के साथ मौसम पूरी तरह बदलने का अनुमान है।

पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी के चलते सड़क संपर्क बाधित होने की आशंका है, जिससे पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने किसानों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है ताकि वे अपनी तैयार फसलों को पाले और अचानक बारिश से बचा सकें।

दूसरी ओर, दक्षिण भारत में मौसम का बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल रहा है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में अगले तीन दिनों तक भारी से मध्यम बारिश की चेतावनी दी गई है। तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ समुद्र में ऊंची लहरें उठने का अनुमान है। तमिलनाडु के आंतरिक जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। केरल के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है, जिसे देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने और आम लोगों को खराब मौसम के दौरान यात्रा टालने की सख्त हिदायत दी गई है। कुल मिलाकर, जनवरी का अंत पूरे देश के लिए मौसमी चुनौतियों से भरा रहने वाला है।

हिमाचल में बर्फ देखने उमड़े पर्यटक, सड़कों पर ट्रैफिक जाम, रोज 15 हजार वाहन पहुंच रहे

शिमला (एजेंसी)। शिमला और मनाली पर्यटकों से पूरी तरह पैक है। बर्फबारी थमने के बाद जैसे-जैसे सड़कें बहाल हो रही है, पर्यटक अब शिमला के नालदेहरा, कुफरी, महासू पीक, मनाली के सोलंगनाला और चंबा के डलहौजी तक पहुंचना लगे हैं। हिमाचल प्रदेश में बर्फ के फोटो-वीडियो वायरल होते ही देशभर से पर्यटकों का पहाड़ों पर जमावड़ा उमड़ने लगा हैं। इन जगह पर टूरिस्ट बर्फ में खेलने, डांस, स्नोमैन बनाने, हॉर्स व यॉक राइडिंग, स्केटिंग, स्नो स्कूटर, पैराग्लाइडिंग और रील्स रिकॉर्ड कर अपनी यात्रा को यादगार बना रहे हैं। दिनभर टूरिस्ट बर्फ में मस्ती कर रहे हैं। इस बीकेंड तक सड़क बहाली के बाद नारकंडा और अटल टनल तक टूरिस्ट पहुंच सकेंगे। बता दें कि शिमला और मनाली के होटलों में 70 से 80 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी हो चुकी है। वीकेंड पर इसके शत-प्रतिशत होने की संभावना है। इसलिए, वीकेंड पर शिमला-मनाली आने वाले टूरिस्ट को एडवांस बुकिंग की सलाह दी जाती है। शिमला के होटेलियर अश्ननी सूद ने बताया कि शिमला में चार साल बाद बर्फबारी हुई है। इससे अगले 15-20 दिन अच्छा टूरिस्ट आने की उम्मीद है। वहीं पुलिस के अनुसार- अकेले शिमला में रोजाना 12 हजार से 15 हजार टूरिस्ट व्हीकल पहुंच रहे हैं। इससे शिमला शहर के साथ साथ छराबड़ा, कुफरी और फागू के बीच भी ट्रैफिक जाम लग रहा है। एक घंटे के सफर में चार से पांच घंटे लग रहे हैं। इससे टूरिस्ट के साथ साथ लोकल भी परेशान है। मनाली में भी बीते एक सप्ताह से पतलीकूलह, 15 व 16 मील से मनाली तक ट्रैफिक जाम टूरिस्ट लग रहा है। मनाली में ट्रैफिक जाम की सबसे बड़ी वजह आसपास के पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद होना भी है क्योंकि भारी हिमपात के कारण जीभी वैली, सोलंग नाला, अटल टनल, कोकसर, केलांग इत्यादि पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कें बंद थी। मगर अब सड़कों से बर्फ हटाने का काम जारी है। इससे एक-दो दिन में टूरिस्ट इन सभी पर्यटन स्थलों पर पहुंचना शुरू होगा। तब जाकर मनाली में ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी।

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बिगड़े बोल- आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए

मथुरा(एजेंसी)। वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर टिप्पणी करते हुए अनिरुद्धाचार्य ने मंच से ऐसा बयान दे दिया, जिस पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे असंवेदनशील बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे कर्तव्य और ईमानदारी से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल कथा के दौरान अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का विमान हादसे में निधन हो गया, जो बेहद दुखद है। उन्होंने पायलट की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, प्लेन उड़ाने की पूरी जिम्मेदारी पायलट के पास होती है। पायलट के हाथ में प्लेन में सवार सभी लोगों की जान होती है। अगर आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए। अब आप पायलट हैं, आपको प्लेन उतारना है, लेकिन आप प्लेन न उतारकर कुछ और करने लग जाएं तो यह ठीक नहीं है। जो काम है आपका, वही करिए। वही आपकी भक्ति है। अनिरुद्धाचार्य यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए सेना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हमारी सेना बॉर्डर पर खड़ी है। सेना का काम है कि सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि न हो। अगर सारे सैनिक उठकर किसी मंदिर में जाकर बैठ जाएं तो व्यवस्था भंग हो जाएगी। सैनिक की ईमानदारी से की गई सेवा ही उसकी भक्ति है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए।

हालांकि, इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कहा कि एक दुखद हादसे के तुरंत बाद इस तरह की टिप्पणी करना पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता दिखाता है। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि जब हादसे की जांच चल रही है, तब पायलट की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक मंच से टिप्पणी करना उचित नहीं है।

राहुल गांधी और कनिमोझी के बीच चली घंटे भर बैठक पर गठबंधन के लिए नहीं बन सकी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर चल रही असहजता के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और डीएमके सांसद कनिमोझी के बीच एक अहम बैठक हुई। दिल्ली में बुधवार को हुई यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली, लेकिन गठबंधन की कार्ययोजना या सीटों के बंटवारे को लेकर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी।

सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डीएमके की पहल पर हुई थी, ताकि अपने पुराने सहयोगी कांग्रेस के साथ तालमेल को लेकर बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, बैठक के दौरान किसी भी तरह के आंकड़ों या फार्मूले पर चर्चा नहीं हुई। राहुल गांधी ने कनिमोझी से आग्रह किया कि इस विषय पर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा गठित नेताओं की समिति के साथ बातचीत की जाए और उसी मंच पर गठबंधन से जुड़े मुद्दों को अंतिम रूप दिया जाए। कांग्रेस सूत्र बता रहे हैं, कि बैठक का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा, लेकिन निर्णय आगे की बातचीत पर छोड़ दिया गया। बताया जा रहा है कि तमिलनाडु में करीब दो दशक पुराने इस गठबंधन में इस बार तनाव की स्थिति है। इसकी मुख्य वजह कांग्रेस की राज्य इकाई की ओर से सरकार में हिस्सेदारी की मांग बताई जा रही है, जिसे डीएमके ने स्वीकार नहीं किया है। कांग्रेस के भीतर कुछ नेताओं ने झारखंड मॉडल की तर्ज पर तमिलनाडु में भी सत्ता में भागीदारी की मांग उठाई है। इसी पृष्ठभूमि में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) नेतृत्व ने सभी प्रमुख राज्य नेताओं की बैठक बुलाकर उनके विचार सुने। बैठक के बाद यह तय किया गया कि अंतिम फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस के राज्य प्रभारी गिरीश चोडंकर ने एक बातचीत के दौरान कहा, कि गठबंधन वार्ता अभी औपचारिक रूप से शुरू नहीं हुई है और कांग्रेस डीएमके की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, हम पिछले दो महीनों से इंतजार कर रहे हैं। हमारा विपक्ष काफी आक्रामक तरीके से काम कर रहा है। नवंबर में हमने गठबंधन समिति का गठन किया था और अनुरोध किया था कि 15 दिसंबर तक बातचीत पूरी कर ली जाए, लेकिन अभी तक देरी हो रही है। ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं, जब तमिलनाडु में इस साल के पहले छह महीनों में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है, हालांकि भारतीय चुनाव आयोग ने अभी आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में 2021 के चुनावों में डीएमके ने 133 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं, जबकि पीएमके ने 5, वीसीके ने 4 और अन्य दलों ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस और डीएमके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत तेज हो सकती है, क्योंकि दोनों दल चुनाव से पहले किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे।

गणतंत्र दिवस परेड 2026: भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ, राज्यों की झांकियों में महाराष्ट्र अव्वल

-सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस परेड 2026 में तीनों सेनाओं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, अन्य सहायक बलों और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनियों का चयन हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, तीनों सेनाओं में भारतीय नौसेना का मार्चिंग दल सर्वश्रेष्ठ चुना गया, जबकि सीएपीएफ व अन्य सहायक बलों में दिल्ली पुलिस की मार्चिंग टुकड़ी को पहला स्थान मिला।

इसके अलावा राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों में महाराष्ट्र की झांकी अव्वल रही, जिसमें 'गणेशोत्सव- आत्मनिर्भरता का प्रतीक' प्रस्तुत किया गया। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जम्मू-कश्मीर और केरल की झांकियां रहीं। जम्मू-कश्मीर की झांकी में हस्तशिल्प और लोकनृत्यों को दिखाया गया, जबकि केरल की झांकी में वॉटर मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता को प्रदर्शित किया गया। केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों की सर्वश्रेष्ठ झांकी का खिताब संस्कृति मंत्रालय ने जीता है। जिसका शीर्षक था 'वंदे मातरम्- एक राष्ट्र की आत्म-ध्वनि'। इसके अतिरिक्त विशेष पुरस्कार सीपीडब्ल्यूडी की झांकी और नृत्य समूह को प्रदान किए गए। जनमत के अनुसार, तीनों सेनाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी के लिए असम रेजिमेंट, जबकि सीएपीएफ में सीआरपीएफ को चुना गया। राज्यों की झांकियों में जनमत के आधार पर गुजरात सर्वश्रेष्ठ, इसके बाद उत्तर प्रदेश और राजस्थान की झांकियां रही। केंद्रीय मंत्रालयों में सर्वश्रेष्ठ झांकी के तौर पर स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की झांकी को सर्वाधिक पसंद किया गया। गणतंत्र दिवस परेड 2026 ने न केवल सैन्य अनुशासन और प्रदर्शन की उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि सांस्कृतिक विविधता, नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता का संदेश भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। यह परेड नागरिकों और अधिकारियों दोनों के लिए प्रेरणादायक अनुभव साबित हुई।

झारखंड नगर निकाय चुनाव ईवीएम से नहीं बैलेट पेपर से होंगे

-चुनाव आयोग ने 18 साल पुरानी व्यवस्था फिर लागू करने का लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर इस बार चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। कई सालों बाद चुनाव में पुरानी व्यवस्था की वापसी हो रही है। इस बार मतदान ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से कराए जाएंगे। इस बदलाव से न सिर्फ मतदान प्रक्रिया बदलेगी, बल्कि चुनाव परिणाम आने में भी समय लगेगा। चुनाव नतीजों के लिए करीब 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईवीएम से होने वाले चुनावों में जहां मतगणना कुछ ही घंटों में पूरी हो जाती थी, वहीं बैलेट पेपर से मतदान होने से करीब 72 घंटे लग सकते हैं। इससे उम्मीदवारों और समर्थकों की बेचैनी भी बढ़ेगी। इससे पहले 2008 में नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए थे। उस समय मतगणना पूरी होने में करीब तीन दिन का समय लगा था। 2008 के बाद चुनाव प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए नगर निकाय चुनावों में ईवीएम को शामिल किया गया था। इसके बाद हुए दो चुनाव ईवीएम से कराए गए, जिससे मतदान और मतगणना दोनों ही तेजी से पूरी हुई, लेकिन इस बार चुनाव आयोग ने करीब 18 साल पुरानी बैलेट पेपर प्रणाली को दोबारा लागू करने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बैलेट पेपर प्रणाली के तहत मतदाताओं को इस बार एक ही बैलेट बॉक्स में दो अलग-अलग बैलेट पेपर डालने होंगे। एक बैलेट पेपर महापौर पद के लिए तो दूसरा पार्षद के लिए होगा। ऐसे में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को ज्यादा सतर्क रहना होगा। चुनाव विशेषज्ञों का मानना है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर प्रशासनिक चुनौतियां बढ़ेंगी। वहीं परिणाम आने में देरी के कारण उम्मीदवारों की धड़कनें भी तेज होगी। कुल मिलाकर इस बार नगर निकाय चुनाव न सिर्फ मतदान का, बल्कि धैर्य और इंतजार की भी परीक्षा साबित होगा।

आरक्षण के लिए धर्मांतरण मामले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीजेआई बोले- यह नया फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा में आरक्षण का लाभ लेने के लिए कथित रूप से किए जा रहे धर्मांतरण के मामलों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने इस प्रवृत्ति को ÷नए किस्म का फर्जीवाड़ा÷ करार देते हुए कहा कि प्रभावशाली और सवर्ण जातियों के लोग केवल अल्पसंख्यक आरक्षण हासिल करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

यह टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची की पीठ ने हरियाणा के हिसार निवासी निखिल कुमार पुनिया से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान की। याचिकाकर्ता ने स्वयं को बौद्ध धर्म का अनुयायी बताते हुए अल्पसंख्यक कोटे के तहत शैक्षणिक संस्थान में दाखिले की मांग की थी। सुनवाई के दौरान जब सीजेआई ने याचिकाकर्ता की सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में सवाल किया, तो उसके वकील ने बताया कि वह जाट पुनिया समुदाय से आता है। इस पर सीजेआई ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आप पुनिया हैं? फिर आप अल्पसंख्यक कैसे हो गए? मैं यह स्पष्ट रूप से जानना चाहता हूं कि आप किस पुनिया समुदाय से हैं? वकील की ओर से यह दलील दी गई कि धर्मांतरण करना याचिकाकर्ता का मौलिक अधिकार है और अब वह बौद्ध धर्म का पालन करता है। इस पर पीठ ने कहा कि केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए किया गया धर्मांतरण धोखाधड़ी की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का उपयोग आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने के लिए नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को यहीं समाप्त नहीं किया, बल्कि हरियाणा में अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पीठ ने पूछा है कि अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए राज्य में क्या नियम और दिशा-निर्देश हैं। क्या कोई सामान्य वर्ग का व्यक्ति, जो ईडब्ल्यूएस श्रेणी में भी नहीं आता, केवल धर्म बदलकर अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त कर सकता है? यदि किसी छात्र ने पूर्व में स्वयं को सामान्य श्रेणी का बताया हो, तो क्या वह बाद में लाभ के लिए खुद को बौद्ध अल्पसंख्यक घोषित कर सकता है?

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा जैसे राज्यों में जाट समुदाय एक प्रभावशाली वर्ग माना जाता है। यदि इस तरह के मामलों को मान्यता दी गई, तो इससे वास्तविक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन होगा, जिन्हें संरक्षण देने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सुप्रीम कोर्ट अब हरियाणा सरकार की रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। माना जा रहा है कि यह मामला भविष्य में धार्मिक स्वतंत्रता और आरक्षण के बीच की संवैधानिक सीमा तय करने में एक अहम नजीर बन सकता है।